डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

08 जनवरी 2026 गुरुवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

23.7 अधिकतम

9.0 न्यूनतम

Page-7

अमेरिकी कांग्रेस में आएगा रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध का बिल, भारत पर भी पड़ सकता है असर

ट्रम्प लगा सकेंगे 500 फीसदी तक टैरिफ, अधिकार बढ़ाने की तैयारी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने के बिल को समर्थन दे दिया है। कहने को ये रूस की आर्थिक ताकत को कमजोर करने की प्लानिंग हो रही है लेकिन इसका असर कई देशों पर पड़ेगा। पहले से 50 फीसदी टैरिफ की मार झेल रहे भारत के लिए यह खतरे की घंटी है। बिल पास होने के बाद ट्रम्प को किसी भी देश पर 500 फीसदी तक टैरिफ लगाए का अधिकार मिल जाएगा। अमेरिका में रूस के खिलाफ एक नया सख्त प्रतिबंध बिल लाने की तैयारी है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के मुताबिक यह बिल उन देशों को सजा देने के लिए है जो रूस से सस्ता तेल खरीद रहे हैं। इसके तहत राष्ट्रपति को रूस से डीलिंग करने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल जाएगा। मन जा रहा है कि इसका सीधा असर

भारत पर पड़ सकता है, क्योंकि भारत रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीद रहा है। अगर यह बिल पास होता है और लागू किया जाता है तो अमेरिका, भारत और चीन जैसे देशों पर भारी टैरिफ लगाकर उन पर दबाव डालेगा। लिंडसे ग्राहम के मुताबिक यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब यूक्रेन शांति के लिए रियायतें दे रहा है, जबकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन केवल बयानबाजी कर रहे हैं और निर्दोष लोगों की हत्या जारी है। ऐसे में उन्होंने कहा कि यह विधेयक राष्ट्रपति ट्रंप को उन देशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का अधिकार देगा, पुतिन की युद्ध मशीन को पैसा दे रहे हैं। भारत पहले से ही रूस से तेल खरीदी के मुद्दे पर 50 फीसदी टैरिफ के साथ उन देशों में शुमार है, जिनके खिलाफ अमेरिका सबसे ज्यादा आयात शुल्क लगा चुका है. ऐसे में ये बिल पास हुआ, तो भारत की दिक्कतें और बढ़ने वाली हैं। लिंडसे ग्राहम ने बताया कि उन्होंने 7 जनवरी को व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की, जिसमें राष्ट्रपति ने इस बिल को आगे बढ़ाने के लिए हरी झंडी दी।

क्या है रूस पर प्रतिबंध का बिल?

- "Sanctioning Russia Act of w®wz "नाम का ये बिल अमेरिका की तरफ से रूस के खिलाफ लगाए जाने वाले सबसे कड़े आर्थिक दंडों में से एक है। इसके मुख्य प्रावधान इस तरह हैं -
- रूस से तेल, गैस, यूरेनियम जैसी चीजें खरीदने वाले देशों पर हाई टैरिफ यानि 500 फीसदी लागू करना।
- उन देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाना जो रूस के साथ व्यापार करते हैं।
- रूस की अर्थव्यवस्था और युद्ध चलाने की क्षमता पर सीधा दबाव डालना। इस बिल में रूस के अलावा ऐसे देशों के लिए भी कड़े उपाय शामिल हैं जो रूस से ऊर्जा या अन्य जरूरी सामान खरीदते हैं, जिससे उन देशों की भी आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है।

अमेरिकी कांग्रेस में होगी वोटिंग

यह बिल अब अमेरिकी कांग्रेस में वोटिंग के लिए भेजा जाएगा और संभव है कि अगले सप्ताह ही सीनेट में मतदान हो। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि ट्रंप इस बिल का समर्थन करते हैं, बशर्ते इसमें राष्ट्रपति को प्रतिबंध लागू करने का अंतिम अधिकार दिया जाए। इस कदम को ट्रंप की यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की कोशिशों के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेयर्ड कुश्नर रूस-यूक्रेन शांति समझौते पर बातचीत जारी रखे हुए हैं, लेकिन फिलहाल कोई ठोस समझौता सामने नहीं आया है। इसके चलते भारत को अमेरिका में अपना सामान बेचने में पहले ही मुश्किलों का सामना करना पड़ा रहा है।

न्यूज विंडो

कार न रोकने पर ट्रंप के एजेंट ने महिला को मारी गोली

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अवैध अप्रवासियों के खिलाफ अपने ही देश में मुहिम छेड़ रखी है। ट्रंप के एजेंट्स अमेरिका में रहने वाले लोगों की वैधता की जांच कर रहे हैं। हालांकि, इसी बीच मिनियापोलिस से एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है, जहां ट्रंप के एजेंट ने अमेरिकी महिला पर गोली चला दी है। इस घटना में महिला की मौत हो गई। ये घटना दक्षिण मिनियापोलिस की है। मृतक महिला की पहचान 37 वर्षीय रेनी निकोल गुड के रूप में हुई है। यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट के एजेंट ने कार आगे बढ़ाने पर महिला को मौत के घाट उतार दिया।

पेड़ से टकराई तेज रफ्तार एसयूवी, 4 छात्रों की मौत

रंगारेड्डी, एजेंसी। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में बड़ा सड़क हादसा हो गया है। यहां के मिर्जागुडा में एसयूवी कार पेड़ से टकरा गई। इस दुर्घटना में 4 छात्रों की मौत हो गई है। मृतकों में सूर्यतेजा, सुमित, निखिल और रोहित का नाम शामिल है। यह घटना रंगारेड्डी जिले के मोकिला पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई है। सामने आए हादसे के वीडियो में दिख रहा है कि ये एक्सीडेंट कितना भयानक था। दुर्घटना के बाद कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह से पिचक गया। उसका ढांचा बुरी तरह बिगड़ गया। शायद इसी वजह से कार में सवार चार छात्रों की जान नहीं बच पाई। सड़क दुर्घटना का शिकार हुआ सुमित, ढ्क्क्ष् कॉलेज में बीबीए फाइनल ईयर की पढ़ाई कर रहा था।

आज का कार्टून

मैराथन सुनवाई... सर्वोच्च अदालत में आवारा कुत्तों पर दोनों ही पक्ष अड़े

दलील... कुत्ते हटेंगे तो चूहे बढ़ जाएंगे कोर्ट ने पूछा... तो क्या बिल्लियां बढ़ाई जाएं

नईदिल्ली, एजेंसी

आवारा कुत्तों के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में आज दूसरे दिन भी सुनवाई हुई। कोर्ट ने आवारा जानवरों से होने वाले खतरों और उन्हें नियंत्रित करने में अधिकारियों की कथित कमियों को उजागर करने वाली याचिकाओं पर ध्यान केंद्रित किया। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने दलील देते हुए कहा, 'दिल्ली में चूहे और बंदरों का भी खतरा है। कुत्तों को अचानक हटाने से चूहों की आबादी बढ़ जाती है। कुत्ते संतुलन बनाए रखते हैं।' उनकी इस दलील पर न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने टिप्पणी की, 'क्या इसका आपस में कोई संबंध है? क्या हमें बिल्लियों को बढ़ावा देना चाहिए, क्योंकि वे चूहों की दुश्मन हैं।' इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हमने गली के हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया है। उनके साथ नियमानुसार व्यवहार किया जाना चाहिए।

सड़क से हर कुत्ते को हटाने का नहीं दिया निर्देश

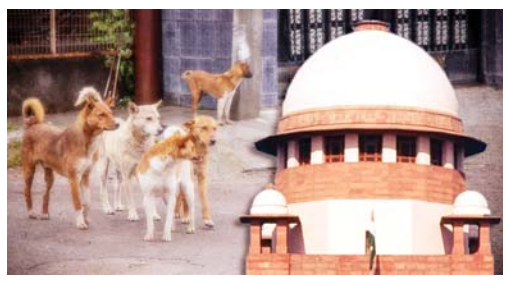

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की पीठ ने अपने पहले के निर्देशों को स्पष्ट करते हुए इस बात पर जोर दिया कि सड़कों से हर आवारा कुत्ते को हटाने का आदेश नहीं दिया गया था। नियमों के तहत उन्हें केवल संस्थागत इलाकों से हटाए जाने के निर्देश दिए गए थे। बुधवार को सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील देते हुए कहा था कि सभी कुत्तों को पकड़ना समाधान नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि रोकथाम हमेशा इलाज से बेहतर होती है। सिब्बल ने दलील देते हुए कहा कि सभी कुत्तों को शेल्टर में रखना संभव नहीं है। आर्थिक रूप से भी व्यवहारिक नहीं है। इसे वैज्ञानिक तरीके से करना होगा। समस्या यह है कि कानूनों का पालन नहीं किया जा रहा है।

देश में सिर्फ 5 सरकारी शेल्टर, 500 कुत्तों की जगह, हमें इंफ्रास्ट्रक्चर चाहिए

जस्टिस नाथ ने कहा कि कुत्ते इंसानों का डर पहचान लेते हैं इसलिए काटते हैं। इस पर एक वकील (कुत्तों के पक्षधर) ने इनकार किया। फिर जस्टिस ने जवाब दिया कि, अपना सिर मत हिलाइए, ये बात मैं व्यक्तिगत अनुभव से बोल रहा हूं। उधर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि राज्यों ने जो आंकड़े दिए हैं। उनमें से किसी ने यह नहीं बताया कि नगर पालिकाओं की तरफ से कितने शेल्टर चलाए जाते हैं। देश में सिर्फ 5 सरकारी शेल्टर हैं। और ये सिर्फ बीमार और घायल कुत्तों के लिए हैं। इनमें से हर एक में 100 कुत्ते रह सकते हैं। हमे इंफ्रास्ट्रक्रर की जरूरत है। इससे पहले सुनवाई के दौरान एनिमल वेलफेयर की तरफ से दलील दे रहे एडवोकेट सीयू सिंह ने कुत्तों को हटाने या शेल्टर होम भेजने पर आपत्ति जताई। इस मामले पर पिछले 7 महीनों में पांच बार सुनवाई हो चुकी है। पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया था। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा था कि इन जानवरों को तय शेल्टर में ट्रांसफर किया जाए।

फिरोजपुर जिला कोर्ट में बम की खबर

फिरोजपुर, एजेंसी

जिला कोर्ट परिसर में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बम होने की सूचना मिलने की अफवाह फैल गई। एहतियात के तौर पर पुलिस प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पूरे कोर्ट परिसर को खाली करवा दिया। बताया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा कोर्ट की ऑफिशियल ई-मेल आईडी पर मेल के जरिए बम की सूचना दी गई थी। सूचना मिलते ही एसपी डिटेक्टिव मनजीत सिंह और एसपी हेडक्वार्टर धरम वीर सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

20 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा

नईदिल्ली। एसआईआर की प्रक्रिया से पहले दिल्ली में 20 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया है। यह सभी बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। पकड़े गए अवैध लोगों के पास से कुछ भारतीय पहचान पत्र भी बरामद हुए हैं। गौरतलब है कि भारत के विभिन्न राज्यों में अवैध बांग्लादेशियों की तलाश जारी है।

केजरीवाल के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी

आतिशी पर सिख गुरुओं के अपमान का आरोप, दिल्ली विधानसभा में भारी हंगामा

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली विधानसभा में आज का दिन राजनीतिक गहमागहमी और भारी हंगामे के नाम रहा। विपक्ष की नेता आतिशी द्वारा दिए गए एक कथित बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने सदन में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। विवाद इतना बढ़ गया कि विधानसभा अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित करनी पड़ी। भाजपा विधायकों का आरोप है कि आतिशी ने अपने बयान में सिख गुरुओं का अपमान किया है जिससे समाज की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा, अरविंदर सिंह लवली और तरविंदर सिंह मारवाह ने इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाया। उन्होंने आतिशी पर गुरु तेग बहादुर जी के अपमान का आरोप लगाया। विधायक कपिल मिश्रा सहित कई सदस्य हाथों में पोस्टर लेकर सदन के बीचों-बीच (वेल) आ गए। पोस्टरों पर 'गुरुओं का अपमान नहीं सहेंगे' जैसे नारे लिखे थे। सदन के भीतर मुख्यमंत्री केजरीवाल के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की गई। हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सख्त रुख अपनाया। अध्यक्ष ने कार्यवाही को पहले आधे घंटे के लिए रोका और आतिशी को एक घंटे के भीतर सदन में आकर अपनी सफाई देने का निर्देश दिया।

शराब कारोबारी केडिया गोवा से गिरफ्तार

रांची, एजेंसी

राज्य में शराब घोटाला केस में भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत जांच कर रही एसीबी को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। एसीबी ने छत्तीसगढ़ के शराब कारोबारी नवीन केडिया को गिरफ्तार कर लिया है। झारखंड में शराब घोटाला मामले की जांच कर रही एसीबी ने नवीन केडिया को गोवा से गिरफ्तार किया है। एजेंसी उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर रांची लाने की तैयारी कर रही है।

ग्रोक के जवाब से सहमत नहीं भारत सरकार

फेक और यौन शोषण संबंधी पोस्ट करने वालों पर होगा सख्त एक्शन

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत सरकार एक्स के ग्रोक एआई से जुड़े अश्लील कंटेंट पर बड़ी कार्रवाई कर रही है। सरकार ने इसे लेकर एक्स से विस्तृत जानकारी देने के लिए कहा है।

सरकार ने कहा है कि एक्स ये बताए कि वे उन लोगों पर क्या एक्शन ले रहे हैं, जो ग्रोक एआई की मदद से यौन संबंधी और भ्रामक कंटेंट बना रहे हैं और सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे हैं। सरकार ने एक्स से उसके ग्रोक एआई से जुड़े अश्लील कंटेंट पर की गई कार्रवाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपायों सहित और अधिक जानकारी मांगी है। एक्स ने भारत सरकार के समक्ष एक विस्तृत जवाब रखा था। एक्स ने कहा कि हम ये भी जानते हैं कि भारत हमारे प्लेटफॉर्म के लिए एक बड़ा बाजार है। लेकिन, एक्स के इस जवाब में भ्रामक पोस्ट और बिना सहमति के यौन छवियों से संबंधित कंटेंट को लेकर लिए जाने वाले एक्शन का कोई जिक्र नहीं था।

दमोह के तेंदुखेड़ा में दर्दनाक घटना

युवक ने गर्भवती पत्नी और दो साल की बेटी के साथ फांसी लगाई, मौत

तेंदूखेड़ा /दमोह, दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-1 में आज एक दिल देहला देने वाली घटना सामने आई। यहां एक घर के भीतर पति, पत्नी और उनकी दो साल की मासूम बच्ची के शव फांसी के फंदे पर झूलते मिले। पत्नी गर्भवती थी इसलिए एक साथ चार जिंदगियां समाप्त हो गईं।

घटना की खबर मिलते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतकों की पहचान मनीष केवट (30 वर्ष), पिता खूब्बी केवट, उसकी गर्भवती पत्नी यशोदा उर्फ माही केवट (24 वर्ष) और उनकी दो वर्षीय बेटी आरोही के रूप में हुई है। मनीष केवट मजदूरी का काम करता था। बताया जा रहा है कि परिवार घर के अंदर ही मौजूद था और काफी समय तक कोई हलचल न होने पर आसपास के लोगों को शक हुआ, जिसके बाद घर के भीतर जाकर देखा गया तो तीनों के शव फांसी पर लटके मिले। सूचना मिलते ही तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी आर आर बागरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल को घेराबंदी कर सील कर दिया और तीनों शवों को कब्जे में ले लिया। प्रारंभिक जांच में मामला सामूहिक आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि अभी तक मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है और आत्महत्या के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस के अनुसार मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी और डॉग स्क्वायड को भी मौके पर बुलाया गया है, ताकि हर पहलू से जांच की जा सके। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

फरीदाबाद में शूटिंग कोच पर केस दर्ज

नाबालिग शूटर को होटल में बुलाया करियर की धमकी देकर किया रेप

फरीदाबाद, एजेंसी

हरियाणा के फरीदाबाद जिले में एक महिला शूटर के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में पुलिस ने कोच के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता के परिवार की विस्तृत शिकायत के बाद एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि यह घटना पिछले महीने एक होटल में हुई थी। 18 वर्षीय खिलाड़ी घटना के समय नाबालिग थी। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, यह घटना पिछले साल 16 दिसंबर को हुई थी। इससे एक दिन पहले ही खिलाड़ी दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग अकादमी में एक राष्ट्रीय स्तर की शूटिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर आई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी कोच अंकुश भारद्वाज नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा नियुक्त 13 राष्ट्रीय पिस्टल कोचों में से एक है।

आरोपी कोच को सस्पेंड कर दिया गया है। पुलिस को दी गई शिकायत में आरोप लगाए गए हैं कि कोच ने शूटर को फरीदाबाद के सूरजकुंड स्थित एक होटल के लॉबी में मिलने के लिए बुलाया था। कोच ने कहा था कि वह उसके प्रदर्शन का विश्लेषण करेगा और शूटिंग पर विस्तार से चर्चा करेगा। कोच ने इस बहाने खिलाड़ी पर कमरे में जाने का दबाव बनाया। उसने खिलाड़ी से कहा कि वहां चर्चा बेहतर तरीके से हो पाएगी। कमरे में जाने के बाद, कोच ने कथित तौर पर खिलाड़ी का यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता के विरोध करने पर भी कोच नहीं रुका।

हादसों में फर्जी क्लेम हासिल करने का मामला

बिहार-यूपी समेत चार राज्यों के 15 ठिकानों पर ईडी की छापामारी

पटना, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिहार में फर्जी रेलवे नौकरी घोटाला मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की टीम ने बिहार, उत्तरप्रदेश, गुजरात और तमिलनाडु में 15 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया है। यह कार्रवाई करोड़ों रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की जा रही है।

ईडी के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, यह घोटाला रेलवे कर्मचारियों के नाम पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए पैसे हड़पने का है। इसमें कई बड़े नाम शामिल हैं, जिनमें जुडिशियल अधिकारी, वकील और सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। ईडी ने पटना, नालंदा और बेंगलुरु में पांच ठिकानों पर छापेमारी की है। इस मामले में सीबीआई ने पहले ही आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और अन्य धाराओं में केस दर्ज किया था। ईडी की कार्रवाई से उम्मीद है कि मामले में शामिल मुख्य आरोपियों तक जल्द पहुंचा जा सकेगा।

बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी

रेलवे क्लेम घोटाला एक बड़ा वित्तीय धोखाधड़ी है, जिसमें रेलवे हादसों में घायलों और मृतकों के नाम पर फर्जी तरीके से मुआवजा हासिल किया गया। इसमें कई लोगों के नाम पर मुआवजा क्लेम किए गए थे, जबकि असल में वे हादसों के शिकार नहीं हुए थे। ईडी की इस कार्रवाई से राज्य और केंद्र सरकार के बीच एक संदेश जाएगा कि भ्रष्टाचार और वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

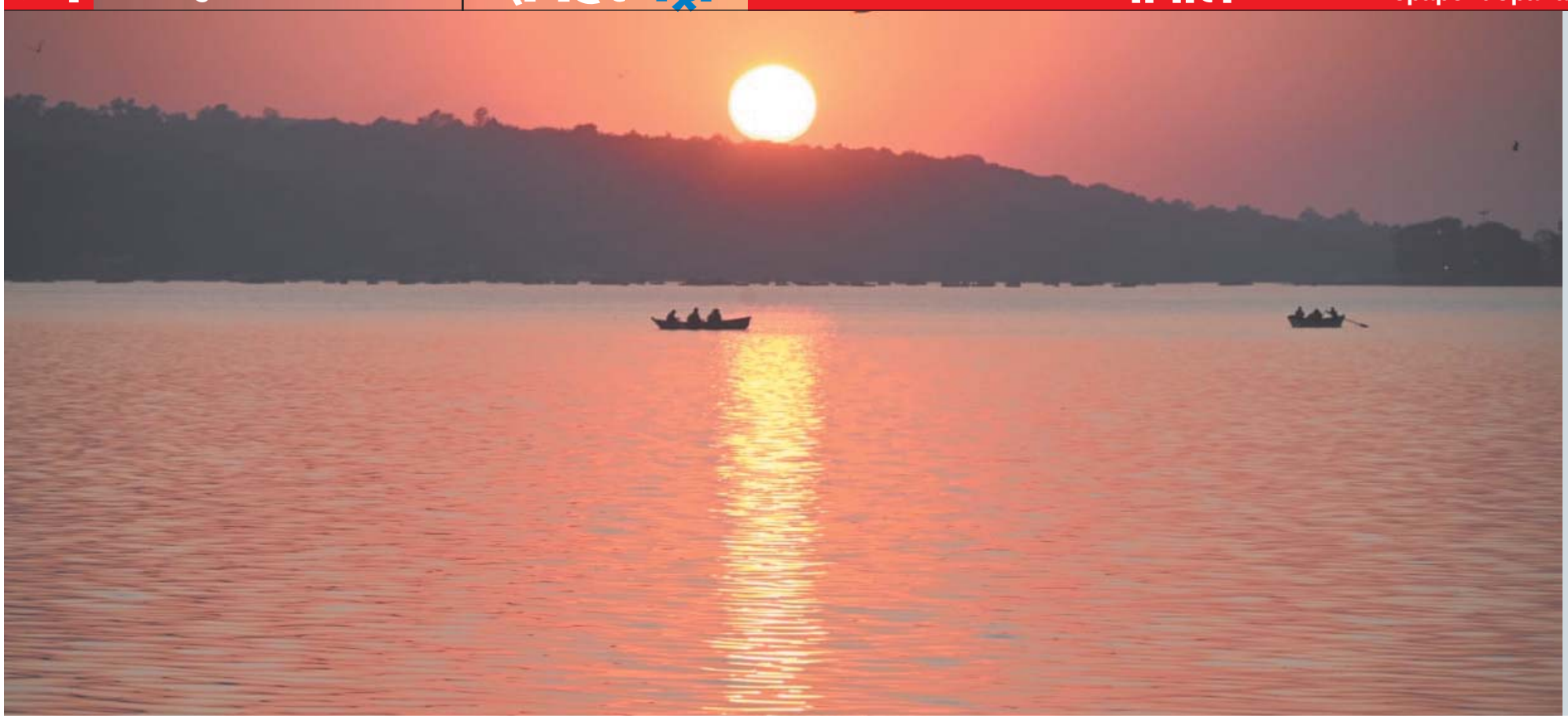

कोहरे से राहत, सर्दी बरकार...

भोपाल। राजधानी को घने कोहरे भले राहत मिल गई हो पर ठंड की चुभन अब भी बरकरार है। हालांकि भोपाल का तापमान न्यूनतम 9 डिग्री पर आ गया है। मौसम विभाग के अनुसार, जनवरी में अभी और कड़ाके की ठंड पड़ेगी क्योंकि हिमालय के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। जब ये आगे बढ़ेगा तो बर्फ पिघलने लगेगी और बर्फीली हवा की रफ्तार भी बढ़ जाएगी।

पुराने भोपाल में चार दशक पुरानी पाइपलाइन जर्जर, रसोई तक पहुंच रहा सीवर मिला पानी

कई इलाकों में सीवेज और पानी की पाइप लाइन एक साथ डली

नगर निगम ने विभिन्न क्षेत्रों से पानी के लिए थे नमूने

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नगर निगम द्वारा राजधानी को स्मार्ट सिटी और सबसे स्वच्छ शहर बनाने के दावे किए जाते रहे, लेकिन शहर की जलापूर्ति आज भी चार-पांच दशक पुराने ढांचे पर टिकी है। जबकि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'अमृत' योजना का उद्देश्य शहरों में पेयजल और सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त करना था, लेकिन भोपाल में यह योजना आधे-अधूरे काम और गलत प्राथमिकताओं की भेंट चढ़ गई। इसका हर्जाना शहर का हर आम नागरिक भुगत रहा है। पुराने शहर के कई इलाकों में सीवेज और पानी की पाइप लाइन एक साथ डली हुई है। ऐसे में जो पानी आपकी रसोई तक पहुंच रहा है, वह जरूरी नहीं है कि पूरी तरह साफ हो। यहीं कारण है कि शहर के नागरिकों को पेट से संबंधित बीमारियों ने घेर रखा है। डाक्टर भी मानते हैं कि 80 फीसद बीमारियां पानी की वजह से होती है। चूंकि इंदौर में दूषित पानी पीकर 20 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बाद भी राजधानी की पेजयल और सीवेज व्यवस्था में सुधार नहीं किया जा रहा है। मामला गरम है, इसलिए नगर निगम लीकेज सुधार और सीवेज चैंबर की सफाई का दिखावा कर रहा है।

500 करोड़ से अधिक खर्च

अमृत 1.0 के तहत शहर में लगभग 500 करोड़ से अधिक राशि खर्च हो चुकी है। अमृत 2.0 प्रोजेक्ट के तहत 582 करोड़ रुपये के कार्यों का लक्ष्य रखा गया है। इतनी मोटी रकम खर्च होने के बाद भी शहर के 35 से 40 प्रतिशत इलाके ऐसे हैं, जहां 1980-90 के दशक में डाली गई लाइन को अब तक बदला नहीं गया है। जबकि उस समय डाल गई पाइप लाइन की उम्र 20 से 25 साल होती है। ये दोगुना से ज्यादा समय से चल रही हैं। जिससे यह अब जर्जर हो चुकी है।

यह इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित

पुराने शहर के जहांगीराबाद, बुधवारा, इतवारा, शाहजहांनाबाद, भोपाल टाकीज, रेलवे स्टेशन क्षेत्र, बैरागढ़ क्षेत्र, करोंद, छोला, मंगलवारा, फतेहगढ़, चौक बाजार। यहां अक्सर मटमैला, बदबूदार और कभी सीवर जैसे पानी की शिकायत रहती है।

कागजों में सुधार, जमीन पर पैचवर्क

अमृत 1.0 के तहत शहर की पाइपलाइन बदलने का काम अब तक अधूरा है। वहीं दूसरी ओर नए इलाकों में डीआई पाइप बिछाने का काम चल रहा है। पंपिंग स्टेशन और टंकियों के अलावा घनी आबादी वाले कुछ पुराने वार्ड नजरअंदाज कर दिए हैं। प्रोजेक्ट शहर में सिस्टम रिफार्म की जगह पैचवर्क योजना बनकर रह गई।

दूषित पानी बीमारियों का कारण

बताया जाता है कि शहर की 80 प्रतिशत आबादी पेट दर्द की समस्या से जूझ रही है, जिसका कारण दूषित जल का सेवन है। अशुद्ध पानी से टाइफाइड, हैजा (कालरा) और हेपेटाइटिस-ए जैसी बीमारियां हो सकती हैं। दूषित पानी में मौजूद बैक्टीरिया पेट में संक्रमण पैदा करते हैं, जिससे दस्त, ऐंठन और उल्टी की समस्या होती है। बचाव के लिए पानी उबालकर पिएं, क्लोरीन की गोलियों का उपयोग करें। जल स्रोतों की स्वच्छता का ध्यान रखें।

ये हिस्से ज्यादा प्रभावित

अरेरा कॉलोनी, एमपी नगर जोन-1 व 2 के पुराने हिस्से भी प्रभावित हैं। यहां पाइपलाइन पुरानी होने के साथ बार-बार लीकेज और प्रेशर फ्लक्चुएशन की वजह से गंदा पानी आ जाता है। रेलवे स्टेशन, करोंद, छोला बेल्ट, भोपाल रेलवे स्टेशन क्षेत्र, करोंद के पुराने वार्ड छोला विश्राम घाट क्षेत्र सुभाष नगर के पुराने हिस्से। इन इलाकों में सीवर ओवरफ्लो और लो प्रेशर सप्लाई के समय सीवर का पानी मिलने की शिकायतें ज्यादा होती है। बैरागढ़ यहां जर्जर जीआई पाइप, अवैध कनेक्शन के कारण पानी का रंग पीला या मटमैला आता है। झुग्गी और घनी आबादी वाले इलाके, कबाड़खाना क्षेत्र, नवजीवन कॉलोनी, काजी कैंप, सुभाष नगर झुग्गी क्षेत्र। यहां अक्सर अस्थायी पाइप खुले में डाली गई लाइनें सीधे नालियों और सीवर के संपर्क में रहती हैं।

क्रासिंग प्वाइंट पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी

जलापूर्ति व सीवर लाइनों की स्थिति खतरनाक है। कई जगह दोनों लाइनें एक साथ डली हैं। कई स्थानों पर क्रासिंग प्वाइंट पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई। रहवासी बताते हैं कि कई बार नलों से दुर्गंधयुक्त और मटमैला पानी आता है, लेकिन शिकायतों पर सिर्फ लाइन फ्लश कर दी जाती है, स्थायी समाधान नहीं होता।

पानी के चार सैंपलों में मिला बैक्टीरिया

निगम ने बीते दिनों विभिन्न इलाकों से पानी के जो नमूने लिए थे। उनमें से बुधवार को 250 नमूनों का परीक्षण किया गया, जिनमें से चार में बैक्टीरिया मिला है। दो सैंपल आदमपुर खंती के पास, एक बाजपेयी नगर के पास नलकूप और एक खानूगांव में कुएं से लिया गया था। वहीं महापौर मालती राय का कहना है कि भोपाल में दूषित पानी के मामले को लेकर हम लगातार गंभीरता बरत रहे हैं।

अब मेट्रो रेल लाइन के लिए हटाएंगे 40 आरा मशीनें

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर के बीचोंबीच भारत टाकीज से बोगदा पुल रोड पर स्थित आरा मशीनों की शिफ्टिंग दो चरणों में की जाएगी। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा योजना बनाई जा रही है। पहले चरण में मेट्रो की राह में आ रहीं 40 आरा मशीनों को शिफ्ट किया जाएगा, इनके लिए परवलिया सड़क स्थित छोटा रातीबड़ में प्लाट का काम पूरा हो चुका है। बता दें कि मेट्रो ने आरा मशीन जल्द से जल्द शिफ्ट हो, इसके लिए छोटा रातीबड़ में सुविधा विकसित करने के लिए करीब छह करोड़ रुपये प्रशासन को दिए थे। इसके बाद से बिजली, पानी, सड़क आदि सुविधाएं उपलब्ध करवाई हैं। जानकारी के अनुसार फर्नीचर शोरूम एवं आरा मशीनों के संचालक सोमवार को एसडीएम शहर वृत्त दीपक पांडे से मिले थे, जहां उन्होंने अपनी मांग रखी थी कि सभी कारोबारियों को एक साथ परवलिया सड़क स्थित छोटा रातीबड़ में शिफ्ट किया जाए। संचालकों का कहना था कि अभी वहां एप्रोच रोड नहीं बनी है, जिससे वाहनों के आवागमन में दिक्कत तो होगी। साथ ही अभी सभी तरह की सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं।

जहां भक्ति होती है वहां स्वयं भगवान विराजमान होते हैं- वत्सजी

सात दिवसीय भागवत कथा दूसरा दिन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत नगर रेलवे माल गोदाम के पास चल रही संगीतमय सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन बुधवार को वत्स जी महाराज ने शुकदेव आगमन, ध्रुव चरित्र, भीष्म स्तुति, कपिल भगवान और माता देवहूति के संवाद, वराह अवतार तथा राजा परीक्षित के प्रसंगों का वर्णन किया। उन्होंने श्रद्वालुओं को सांसारिक मोह छोड़कर भक्ति और वैराग्य का महत्व समझाया। वत्स जी ने कहा कि भक्ति ही ऐसा मार्ग है जिससे आप से परमात्मा से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि जहां भक्ति होती है वहां स्वयं भगवान विराजमान होते हैं। भागवत कथा श्रवण मात्र से पाप से मुक्ति मिल जाती है। इस जगत में भगवत कृपा के बिना कुछ भी संभव नहीं है। व्यासपीठ का पूजन कार्यक्रम आयोजक मुकेश सूर्यवंशी ने की। कथा में समाजसेवी हीरो हिन्दू ने व्यास पीठ का आशीर्वाद लिया। कथा में संत नगर सहित आसपास क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्वालु पहुंच रहे है। पंडित रवि पटेरिया ने बताया कि कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक चल रही है।

नाथद्वारा में भोपाल के बाल साहित्यकारों का सम्मान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर के चार रचनाकारों का श्री भगवती प्रसाद देवपुरा स्मृति राष्ट्रीय बाल साहित्यकार सम्मेलन -2026 में साहित्य मंडल श्री नाथद्वारा राजस्थान द्वारा सम्मानित किया गया। इनमें अशोक व्यास और श्रीमती सज्जन सिंह साथी को बाल साहित्य विभूषण सम्मान, घनश्याम मैथिल अमृत को चमन सिंह सिंघल स्मृति बाल साहित्य भूषण सम्मान, श्रीमती इंदिरा त्रिवेदी एवं श्रीमती नीना सिंह सोलंकी को पुरुषोत्तम पालीवाल स्मृति बाल साहित्य भूषण सम्मान -2026 दिया गया। नाथद्वारा राजस्थान में आयोजित सम्मेलन में साहित्यकारों को रविकांत गर्ग पूर्व मंत्री उत्तरप्रदेश एवं श्याम प्रकाश देवपुरा प्रधानमंत्री साहित्य मंडल नाथद्वारा ने शॉल, राजस्थानी पगड़ी, श्रीनाथ जी का चित्र, प्रसाद,श्रीफल, अभिनंदन पत्र एवं सम्मान निधि भेंट की। साहित्यकार मित्रों एवं साहित्यिक सांगठनों ने सम्मानित रचनाकारों को बधाई दी है।

अटलजी की जयंती पर निबंध, रंगोली प्रतियोगिता

अटल बिहारी वाजपेयी जी का जीवन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत : पारवानी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर निबंध एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में छात्राओं ने अटल बिहारी वाजपेयी जी के जीवन, विचारों एवं राष्ट्र के प्रति उनके योगदान पर सारगर्भित निबंध प्रस्तुत किए। निबंध प्रतियोगिता का मूल्यांकन गीतांशी बुट्टन एवं दीपा मिश्रा द्वारा किया गया, जबकि रंगोली प्रतियोगिता का निर्णय बबीता गोस्वामी द्वारा किया गया। रंगोली प्रतियोगिता मे प्रथम पुरस्कार अनुश्री नामदेव, द्वितीय पुरस्कार रश्मि विश्वकर्मा, तृतीय पुरस्कार हर्षा सहारे को प्रदान किया गया। निबंध प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान पूनम धनेले ने प्राप्त किया, द्वितीय स्थान अनमोल वर्मा को दिया गया एवं तृतीय स्थान आयुषी राजक को प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी का जीवन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। ऐसे कार्यक्रम छात्राओं में विचारशीलता, रचनात्मकता और राष्ट्रीय मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शिक्षाविद् विष्णु गेहानी के निधन से संतनगर में शोक की लहर

हिरदाराम नगर। संतनगर के वरिष्ठ शिक्षाविद् श्री विष्णु गेहानी का निधन हो गया है। गेहानी के निधन पर संतनगर में शोक की लहर है। नगर की शिक्षण संस्थाओं में शोक सभाएं आयोजित की गईं। शिक्षा जगत में छह दशक की सेवाओं को याद किया गया। श्री गेहानी का अंतिम यात्रा उनके निज निवास से निकली। सर्वप्रथम संत वासुराम दरबार पर माथा टेका। उसके पश्चात् साधु वासवानी स्कूल, संतजी की कुटिया पर माथा टेका। इसके बाद नव युवक सभा स्कूल भवन जहां श्री गेहानी की कर्मस्थली है वहां मंदिर में माथा टेका गया। इसके बाद वेकुण्ड धाम संतनगर विश्रामघाट पर दाह संस्कार किया जाएगा। साधु वासवानी स्कूल एवं मुकिता इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित शोक सभा में विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं प्रबंधन समिति द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विद्यालय के महासचिव कन्हैयालाल रामनानी ने कहा आज हजारों बच्चों की शिक्षित पीढ़ी को तैयार करने वाला चला गया है। इस शहर व समाज के लिए बड़े दु:ख की घड़ी है। जिन्होंने बच्चों की शिक्षा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। शोक सभा में समाजसेवी हीरो ज्ञानचंदानी, थांवर वरलानी, गोपाल गिरधानी, ए.सी. साधवानी, तुलसी आडवानी, लखन भागचंदानी व अभिभावकों ने गेहानीजी को श्रद्धांजलि दी।

मेट्रो एंकर आगामी परीक्षाओं के मद्देनजर माध्यमिक शिक्षा मंडल ने जारी किए निर्देश

3 लाख से ज्यादा शिक्षकों के लिए आदेश, 2 महीने छुट्टियों पर लगी रोक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश के साढ़े तीन लाख शिक्षक अब अत्यावश्यक सेवा अधिनियम के दायरे में हैं। अगले दो माह छुट्टियां पर रोक लग गई है। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इसके संबंध में निर्देश जारी किए हैं। यह परीक्षा के दौरान प्रभावी रहेंगे। प्रदेश के सभी स्कूलों को यह आदेश मिले हैं। प्रदेश में 7 फरवरी से माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षाओं की शुरुआत होगी। आयोजन 13 मार्च तक होगा।

निजी और सरकारी स्कूलों से 18 लाख स्टूडेंट इसमें शामिल होंगे। प्रदेश में करीब चार हजार केन्द्रों पर यह परीक्षा होगी। यहां पर्यवेक्षक, केन्द्राध्यक्ष, उप केन्द्राध्यक्ष सहित स्टाफ की ड्यूटी रहेगी। इनकी संख्या हड़ताल, धरने, प्रदर्शन या छुट्टियों के कारण कम न हो इसके जिसके चलते शिक्षकों की सेवाएं एस्मा के दायरे में होगी। मंडल अधिकारियों के मुताबिक निर्देश जारी हो चुके हैं। सभी जिलों को भेजा गया है। इसका पालन कराने की जिम्मेदारी जिलाधिकारियों की होगी।

राजधनी में 105 केन्द्रों परीक्षा

राजधानी में परीक्षा 105 केन्द्रों पर होगी। वेरीफिकेशन के साथ इसकी रिपोर्ट जमा हो चुकी है। इसमें सरकारी और प्राइवेट दोनों ही स्कूल शामिल हैं।

परीक्षा के दौरान शिक्षकों की सेवाएं अत्यावश्यक कानून के दायरे में होगी। मंडल से एस्मा के निर्देश जारी कर दिए हैं। परीक्षा के दौरान व्यवधान रोकने एस्मा रहेगा। परीक्षा फरवरी से शुरू होगी।

- मुकेश मालवीय, रजिस्ट्रार, माध्यमिक शिक्षा मंडल

क्या होता है एस्मा

एस्मा एक ऐसा कानून है, जिसके तहत सरकार आवश्यक सेवाओं में हड़ताल या बाधा डालने से रोकने के लिए प्रतिबंध लगाती है।एस्मा का मतलब आवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम है, जो एक भारतीय कानून है और इसका उद्देश्य सार्वजनिक जीवन को प्रभावित करने वाली ज़रूरी सेवाओं (जैसे स्वास्थ्य, परिवहन, बिजली) की आपूर्ति और रखरखाव सुनिश्चित करना है, खासकर जब कर्मचारी हड़ताल पर जाते हैं; इस कानून के लागू होने पर हड़ताल करना अवैध हो जाता है और इसमें शामिल कर्मचारियों को बिना वारंट के गिरफ्तार किया जा सकता है और उन्हें सज़ा भी मिल सकती है।

यंग लीडर्स डायलॉग में युवाओं से संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव- विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 के प्रथम चरण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के साथ मुख्यमंत्री निवास परिसर में संवाद किया।

मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप समिट 11 और 12 जनवरी को

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 'विकसित एम.पी. ञ2047' विज़न को सकारात्मक गति देने और अधिक सुदृढ़ करने के साथ ही स्टार्ट-अप इको-सिस्टम को अगले स्तर तक ले जाने के उद्देश्य से 11 एवं 12 जनवरी 2026 को रवींद्र भवन, भोपाल में मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप समिट 2026 का आयोजन होने जा रहा है। सोमवार 12 जनवरी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव इसमें सहभागिता करेंगे। समिट में राज्य एवं देश भर से स्टार्ट-अप्स, निवेशक, इनक्यूबेटर्स, उद्योग प्रतिनिधि, शैक्षणिक संस्थान एवं अन्य हितधारक सहभागिता करेंगे। यह समिट स्टार्ट-अप्स को निवेश, नेटवर्किंग, नीति संवाद एवं नवाचार प्रदर्शन का एक सशक्त मंच प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप नीति-2025 का फ़रवरी 2025 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में विमोचन के साथ राज्य में नवाचार एवं उद्यमिता को एक नई दिशा प्राप्त हुई। नीति के सफल क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप प्रदेश के स्टार्ट-अप इको-सिस्टम को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान एवं तीव्र गति प्राप्त हुई है। नवीन नीति से स्टार्ट-अप्स के प्रत्येक चरण के लिए वित्तीय सहायता, इनक्यूबेशन, निवेश, पेटेंट सहयोग एवं बाजार से जुड़ाव जैसे अनेक सशक्त प्रावधान सुनिश्चित किए गए।

विधानसभा वार मंजूर विकास कार्यों की सूची तलब: सीएम बोले-

15 करोड़ के विकास कार्यों के प्रस्ताव पहले ही भेजे जा चुके

वित्त विभाग 20 जनवरी तक दे सूची, इसके बाद लेंगे फैसला

देवास, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की उन सभी विधानसभा सीटों में मंजूर विकास कार्यों की जानकारी तलब की है, जिनमें 31 मार्च से पहले राशि स्वीकृत कर काम कराया जाना हैं। मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग से इन कामों की पूरी सूची 20 जनवरी तक पेश करने को कहा है और विधानसभा-वार स्वीकृत कामों की जानकारी जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही अधिकारियों के कामकाज में कसावट लाने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि 'ए-प्लस' नोटशीट पर तीन दिन के भीतर कार्रवाई अनिवार्य रूप से की जाए।

मोहन सरकार ने पिछले वर्ष भाजपा विधायकों से उनके विधानसभा क्षेत्रों में 15-15 करोड़ रुपए के विकास कार्यों के प्रस्ताव मांगे थे। इसके बाद विधायकों ने अपने-अपने प्रस्ताव मुख्यमंत्री के माध्यम से राज्य शासन को भेज दिए हैं। बताया जा रहा है कि वित्त विभाग ने इन विकास कार्यों की स्क्रूटनी और राशि स्वीकृति की प्रक्रिया भी पूरी कर ली है। अब इन कार्यों को धरातल पर उतारने के लिए आगे की कार्रवाई की जानी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव और सचिव को निर्देश दिए हैं कि 20 जनवरी तक स्वीकृत विकास कार्यों की विधानसभा-वार जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि राशि जारी करने पर अंतिम निर्णय लिया जा सके। इन कार्यों के लिए 31 मार्च से पहले राशि जारी की जानी है। ए-प्लस नोटशीट पर तीन दिन में निर्णय अनिवार्य मुख्यमंत्री ने सभी विभागाध्यक्षों, अपर मुख्य सचिवों और प्रमुख सचिवों को निर्देश दिए हैं कि जिन मामलों में 'ए-प्लस' नोटशीट भेजी जाएगी, उनका निराकरण तीन दिन के भीतर किया जाए। यदि किसी कारणवश कार्रवाई नहीं हो पाती है, तो संबंधित अधिकारी को उसका कारण लिखित रूप में स्पष्ट करना होगा।

दिल्ली में संपर्क, केंद्र से फंडिंग पर जोर

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने भी अधिकारियों को कामकाज में सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी दिल्ली में केंद्रीय मंत्रालयों के अधिकारियों से निरंतर संपर्क बनाए रखें, राज्य के अच्छे कार्यों की जानकारी दें और केंद्र से अधिक फंडिंग के लिए प्रयास करें। मुख्य सचिव ने कहा कि कन्वर्जेंस और टीम-स्पिरिट के साथ काम करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे। उन्होंने अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों के साथ नियमित संवाद बनाए रखने और त्रुटियों में सुधार करने की भी हिदायत दी।

विधानसभा में सवालों के सही जवाब देने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विधानसभा के आगामी बजट सत्र की पूरी तैयारी रखने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने कहा कि विधायकों के सवालों के सटीक और तथ्यात्मक जवाब दिए जाएं तथा उत्तर टालने से बचा जाए। जो आश्वासन अभी लंबित हैं, उन्हें शीघ्र भेजा जाए। इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ये निर्देश मुख्यमंत्री ने अफसरों की हाई-लेवल बैठक में दिए।

इंदौर कलेक्टर-मेयर देर रात आरएसएस दफ्तर में-

दूषित पानी से मौतों और सरकारी तालमेल को लेकर लगी फटकार

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा और महापौर पुष्यमित्र भार्गव बुधवार देर रात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय पहुंचे। संघ से जुड़े सूत्रों ने बताया कि दोनों से भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों और प्रशासनिक तालमेल को लेकर बात की गई। सूत्रों ने यह भी बताया कि संघ के मालवा प्रांत प्रचारक राजमोहन ने कलेक्टर और महापौर से करीब डेढ़ घंटे तक वन-टू-वन चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक, मामला संभाल नहीं पाने पर महापौर को कड़ी फटकार भी लगी है। महापौर भार्गव, रामबाग स्थित नए संघ कार्यालय %सुदर्शन% सरकारी गाड़ी से पहुंचे थे। उन्हें छोड़ने के बाद शासकीय वाहन वापस रवाना हो गया था। बैठक खत्म होने के बाद वे अपने निजी वाहन से लौटे। बैठक से बाहर आने के बाद महापौर भार्गव ने कहा- मैं संघ कार्यालय आता रहता हूं। आज भी सहज ही आया था।

सूत्रों ने बताया कि बैठक में यह बात भी हुई है कि भविष्य में इस तरह की घटना न हो और प्रशासनिक तालमेल की कमी की बात भी नहीं उठे। सभी अधिकारी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की बातों को सुनें और उनके साथ तालमेल बैठाते हुए काम करें। चर्चा का फोकस इस बात पर रहा कि अब इंदौर की छवि को स्वच्छ करना है। पहली प्राथमिकता है कि भागीरथपुरा में हालात ठीक हो जाएं। यहां हर जरूरतमंद तक पहुंचा जाए। बीमारों के इलाज में किसी तरह की कोताही न हो।

कांग्रेस बोली- प्रशासन की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अमित चौरसिया ने कहा- नलों से जहर बह रहा है, जनता मर रही है। प्रशासन लाचार दिख रहा है और कलेक्टर संघ कार्यालय में उपस्थित होकर राजनीतिक निष्ठा का प्रदर्शन कर रहे हैं। यह प्रशासनिक मर्यादा का घोर उल्लंघन है। वे संघ कार्यालय में सलामी दे रहे हैं। कलेक्टर का संघ कार्यालय जाना न केवल चौंकाने वाला है बल्कि प्रशासन की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। यह प्रशासन और सत्ताधारी संगठन के खतरनाक गठजोड़ को उजागर करता है। यह साबित करता है कि भाजपा शासन में संवैधानिक पद अब स्वतंत्र नहीं, बल्कि राजनीतिक एजेंडे के उपकरण बन चुके हैं।

संगठन महामंत्री भी ले चुके बैठक

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों के मामले में बीजेपी पहले ही एक्शन मोड में आ चुकी है। इंदौर में संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने बंद कमरे में महापौर के साथ ही स्थानीय पार्षद कमल वाघेला, एमआईसी मेंबर बबलू शर्मा और संगठन के प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे के साथ बैठक की थी। इस बैठक में हितानंद ने हिदायत दी थी कि सभी तालमेल से काम करें। बेवजह की बयानबाजी से दूर रहें। यही नहीं, मामले में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी दिल्ली का चक्कर लगा चुके हैं।

निजी एजेंसियों से अनुबंधित वाहनों पर भी लागू होंगे ये सभी नियम

प्रदेश में बगैर बीमा-फिटनेस के नहीं चलेंगे सरकारी कार्यालयों के वाहन

देवास, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार ने सरकारी कामकाज में उपयोग होने वाले वाहनों की सुरक्षा और वैधानिकता को लेकर बड़ा कदम उठाया है। परिवहन विभाग ने प्रदेश के सभी शासकीय विभागों, निगमों और निकायों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अब बिना वैध दस्तावेजों के किसी भी वाहन को किराए पर या अनुबंध पर नहीं लिया जा सकेगा। विभाग का यह निर्णय सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति में पीड़ितों को समय पर कानूनी सहायता और आर्थिक क्षतिपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है।

परिवहन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अब किसी भी विभाग द्वारा सीधे या निजी एजेंसियों के माध्यम से अनुबंधित किए जाने वाले सभी

मालवाहक और यात्री वाहनों के पास वैध बीमा, फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट और मोटरयान कर का रसीद होना अनिवार्य है। ये दस्तावेज न केवल अनुबंध के समय होने चाहिए, बल्कि वाहन के उपयोग की पूरी अवधि तक वैध होने चाहिए। विभागों को सख्त हिदायत दी गई है कि वाहनों के बिलों का भुगतान करने से पूर्व संबंधित अधिकारी इन दस्तावेजों की नियमित जांच सुनिश्चित करेंगे।

ओवरलोडिंग पर लगाम और कर वसूली पर जोर

सरकार ने खनिज एवं अन्य सामग्रियों के परिवहन में होने वाली अनियमितताओं को रोकने के लिए भी निर्देश जारी किए हैं। आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि किसी भी स्थिति में वाहन की निर्धारित क्षमता से अधिक परिवहन (ओवरलोडिंग) की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही अनुबंध पर चलने वाले वाहनों के लिए नियमानुसार मोटरयान कर का भुगतान करना भी अनिवार्य होगा, जिससे सरकार के राजस्व को क्षति न पहुंचे। नियमों के पालन में किसी भी प्रकार की दुविधा होने पर परिवहन विभाग ने मार्गदर्शन की व्यवस्था भी की है।

अब तक 43 लाख 17 हजार मीट्रिक टन से अधिक हुई धान खरीदी

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 6 लाख 56 हजार 875 किसानों से 43 लाख 17 हजार 504 मीट्रिक टन धान की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा चुकी है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रूपये प्रति क्विंटल है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा है कि धान विक्रय के लिए किसान 13 जनवरी तक स्लॉट बुक करा सकते हैं। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि निर्धारित समय पर स्लॉट बुक जरूर करा लें। धान की खरीदी 20 जनवरी तक की जायेगी। किसानों को 6791 करोड़ रूपये से अधिक राशि का भुगतान भी किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि धान विक्रय के लिये 8 लाख 59 हजार 916 किसानों ने पंजीयन कराया है। एक दिसम्बर से शुरू हुई धान खरीदी के लिये विभिन्न जिलों में 1436 केन्द्र बनाये गये हैं।

सामाजिक कार्यों में सक्रिय महिलाओं का सम्मान

भोपाल। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि शिक्षा, नशा मुक्ति और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में समाजसेवी संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से न केवल समाज को नई दिशा मिलती है, बल्कि प्रदेश और देश के विकास में भी ठोस योगदान मिलता है। मंत्री भूरिया आईएचएम भोपाल में ऊर्जस्विता-2026 को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कायक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए सम्मानित होने वाली 25 विभूतियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि बाल संरक्षण एवं बाल देखरेख से जुड़े बच्चों के लिए विभाग पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन स्कीम, स्पॉन्सरशिप एवं फोस्टर केयर तथा बाल कोविड योजना के माध्यम से निरंतर लाभ पहुँचा रहा है।

हाईकोर्ट ने जारी किया आदेश

शिप्रा नदी के 200 मीटर प्रतिबंधित क्षेत्र में निर्माण की अनुमति नहीं,

इंदौर। सिंहस्थ से पहले शिप्रा नदी किनारे हो रहे निर्माण को लेकर हाई कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। कोर्ट ने कहा है कि शिप्रा नदी के 200 मीटर प्रतिबंधित क्षेत्र में किसी भी प्रकार की निर्माण अनुमति नहीं दी जाए। हाई कोर्ट में उज्जैन निवासी सत्यनारायण सोमानी ने शिप्रा किनारे हो रहे निर्माण को लेकर जनहित याचिका प्रस्तुत की थी। पिछली सुनवाई पर कोर्ट ने उज्जैन मास्टर प्लान के विरुद्ध शिप्रा नदी के 200 मीटर क्षेत्र में हो रहे निर्माण को लेकर शासन से जवाब देने को कहा था। सुनवाई में सरकारी वकील ने जवाब के लिए समय मांगा। इस पर याचिकाकर्ता ने आपत्ति दर्ज कराई। कोर्ट ने सुनवाई आगे बढ़ाते हुए अगली सुनवाई 21 जनवरी की तय की।

दोपहर मेट्रो | वन्यजीव पर्यटन और स्थानीय रोजगार को मिलेगा बढ़ावा।

मप्र में 5 हजार करोड़ से बनेगा 625 किमी लंबा टाइगर टूरिज्म कॉरिडोर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में वन्यजीव पर्यटन को नई ऊंचाई देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। प्रदेश में करीब पांच हजार करोड़ रुपये की लागत से 625 किलोमीटर लंबा टाइगर टूरिज्म कारिडोर विकसित किया जाएगा। यह कारिडोर पेंच टाइगर रिजर्व से कान्हा, कान्हा से बांधवगढ़ और बांधवगढ़ से पन्ना टाइगर रिजर्व को आधुनिक सड़कों के माध्यम से जोड़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया को जारी संदेश में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना न सिर्फ पर्यटन, बल्कि प्रदेश की समग्र आर्थिक और औद्योगिक गतिविधियों को भी गति देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश देश का सबसे अधिक बाघों वाला राज्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश के प्रमुख वन्यजीव पर्यटन स्थलों को एक सुव्यवस्थित कारिडोर से जोड़ने का निर्णय लिया गया है, जिसे ÷टाइगर टूरिज्म कारिडोर÷ नाम दिया गया है। इस

कारिडोर के विकसित होने से पर्यटकों को पेंच, कान्हा, बांधवगढ़ और पन्ना जैसे प्रमुख टाइगर रिजर्व तक सुगम, सुरक्षित और तेज यात्रा सुविधा मिलेगी। प्रदेश की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए यह कारिडोर पड़ोसी राज्यों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगा।

पर्यटन के साथ व्यापार और आवागमन को बढ़ावा- डॉ. यादव ने बताया कि यह कारिडोर केवल पर्यटन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि व्यावसायिक और अन्य जरूरी गतिविधियों के लिए भी महत्वपूर्ण मार्ग बनेगा। सड़क उन्नयन और विकास से माल परिवहन आसान होगा और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

अटल प्रगति पथ से चंबल क्षेत्र को मिलेगी नई पहचान- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ग्वालियर, भिंड, श्योपुर सहित पूरे चंबल क्षेत्र को अटल प्रगति पथ का लाभ मिलेगा। लगभग 12 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह पथ उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर को जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा। इसके शुरू होने से मध्य प्रदेश से दिल्ली-एनसीआर की दूरी घटकर तीन से चार घंटे रह जाएगी। साथ ही दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर और प्रमुख पोर्ट्स तक प्रदेश की पहुंच आसान होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि 9716 करोड़ रुपये की लागत से भोपाल-जबलपुर ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा भोपाल-इंदौर-प्रयागराज, जबलपुर-नागपुर और इंदौर-धुले-पुणे सड़क परियोजनाएं विकसित भारत ञ2047 के लक्ष्य को हासिल करने में सहायक होंगी। हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ हुई बैठक में प्रदेश की चारों दिशाओं में सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ करने पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई है।

सिंहस्थ-2028 को देखते हुए तय समयसीमा

डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए सड़क परियोजनाओं को दिसंबर 2027 तक पूरा करने की समयसीमा तय की गई है। खंडवा बायपास, जबलपुर रिंग रोड, इंदौर-हरदा और रीवा बायपास जैसी परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से प्रदेश में पर्यटन, उद्योग और निवेश को नई गति मिलेगी।

महाराष्ट्र में कुर्सी के लिए

राजनीति में जब भी कोई बड़ा उलटफेर होता है, तो कहावत झट से रख दी जाती है कि सियासत है ही संभावनाओं का खेल और इसमें कोई स्थायी दोस्त या स्थायी दुश्मन नहीं होता। हालांकि महाराष्ट्र निकाय चुनाव में पद की चाहत ने जिस तरह की संभावनाएं पैदा कर दीं, उससे बड़े-बड़े जानकार हैरान हैं। BJP-कांग्रेस और BJP-AIMIM का गठबंधन भले कुछ वक्त ही चला, पर इसने साबित कर दिया कि आज की राजनीति में विचारधारा से ज्यादा अहमियत सत्ता की है।

दो जगह खेल: यह उलटफेर देखने को मिला है अंबरनाथ और अकोट नगर पालिका में। अंबरनाथ में एकनाथ शिंदे की शिवसेना को सत्ता से बाहर रखने के लिए BJP , कांग्रेस और अजित पवार गुट की NCP ने मिलकर अंबरनाथ विकास अघाड़ी बना लिया, जबकि अकोट में BJP और U AIMIM एक हो गए। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इस पर नाराजगी जताई है और पार्टी प्रदेश अध्यक्ष ने अपने एक विधायक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जबकि कांग्रेस ने अंबरनाथ में अपने पार्षदों को सस्पेंड कर दिया है।

सहयोगियों में अनबन: आमतौर पर स्थानीय स्तर पर नेताओं को परिस्थितियों के अनुसार फैसले लेने की छूट होती है। लेकिन, ये गठबंधन राज्य में बड़े स्तर पर चल रही सियासत का भी संकेत देते हैं। राज्य में सत्ताधारी BJP और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच की अनबन कई बार सतह पर आ चुकी है। पिछले साल नवंबर में दोनों दलों ने एक-दूसरे पर नेताओं की पोचिंग यानी लालच देकर अपनी तरफ मिलाने का आरोप लगाया था। तब शीर्ष स्तर पर सहमति बनी थी कि दोनों एक-दूसरे के नेताओं को नहीं लेंगे।

अजित से नाराजगी: इससे आपसी असंतोष दब तो गया, पर लगता नहीं कि दूर हुआ। समझने वाली बात है कि सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दूसरे सहयोगी डिप्टी सीएम अजित पवार के साथ रिश्ते भी नरम-गरम रहे हैं। भ्रष्टाचार से जुड़े उनके एक बयान को लेकर BJP ने तल्ख प्रतिक्रिया दी है।

जनता से धोखा: गठबंधन के साथियों के बीच मनमुटाव आम बात है। कई बार वैचारिक मतभेद बड़े भी हो जाते हैं, लेकिन उनका इतना बढ़ जाना कि एक-दूसरे को रोकने के लिए विपक्ष से हाथ मिला लेना असल में जनता के साथ धोखा है। जहां विचारों के स्तर पर कोई मेल ही न हो, वहां कुर्सी के लिए हाथ मिला लेना सरासर अवसरवादिता है। जिन दलों की राजनीति ही एक-दूसरे के खिलाफ खड़ी है और जो केंद्र से राज्य तक प्रतिद्वंद्वी हैं, क्या एक जगह जनता के हित में तालमेल से चल पाएंगे? इसमें संशय है।

अंकिता कांड पर पहाड़ों से लेकर मैदान तक उत्तराखंड की सियासत में उबाल

हर्षवर्धन पांडे
राजनीतिक विश्लेषक

तीन बरस पहले उत्तराखंड को झकझोर देने वाले अंकिता भंडारी हत्याकांड के अनसुलझे राज अब परत दर परत खुलते जा रहे हैं। इस मामले को उत्तराखंड की राजनीति की एप्सटीन फाइल्स माना जा रहा है जहाँ नेताओं पर यौन शोषण करने के सीधे आरोप लग रहे हैं। हाल ही में भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर और अभिनेत्री उर्मिला सनावर के बीच सोशल मीडिया पर हुई बहस ने इस केस को एक बार फिर से नया मोड़ दे दिया है। खुद को सुरेश की पत्नी बताने वाली उर्मिला ने दावा दिया है कि अंकिता पर स्पेशल सर्विस के लिए दबाव डालने वाला वीआईपी कोई और नहीं बल्कि भाजपा के ही नेता थे। उन्होंने भाजपा के केंद्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम समेत कई पदाधिकारियों पर भी घिनौने कृत्य करने के आरोप लगाए हैं। हालाँकि सुरेश राठौर और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और उत्तराखंड प्रभारी दुष्यंत गौतम उर्फ़ गट्टू ने इन आरोपों को सिरे से ख़ारिज कर दिया है। इस खुलासे के बाद उत्तराखंड की राजनीती में भूचाल आ गया है और धामी सरकार पर सीधे सवाल उठ रहे हैं आखिर क्यों उसने इस प्रकरण पर ख़ामोशी की चादर ओढ़ ली है और इन सब आरोपों के बीच भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और उत्तराखंड प्रभारी दुष्यंत गौतम ने राज्य सरकार से अपील की है उन पर सोशल मीडिया पर चल रहे ऑडियो और वीडियो हटाए जाएँ। गौतम का साफ़ कहना है इससे उनकी छवि खराब हो रही है और उनके खिलाफ साजिश की जा रही है। उन्होनें उत्तराखंड के गृह सचिव शैलेश बगौली को बाकायदा इस बारे में एक पत्र भी लिखा है।

अंकिता भंडारी उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के एक छोटे से गाँव डोभ-श्रीकोट की 19 बरस की बेटी थी। घर की गरीबी का सपना लेकर वह 2022 में पहाड़ों से निकलकर सीधे मैदान में आई और ऋषिकेश के यमकेश्वर ब्लाक के वनंतारा रिसॉर्ट के रिसेप्शनिस्ट की 10 हजार रु. की नौकरी करने लगी। नौकरी शुरू किये अभी 15 दिन भी नहीं हुए थे कि रिसॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य ने अंकिता पर दबाव डाला कि वह एक वीआईपी गेस्ट स्पेशल सर्विस दे। अंकिता ने इससे साफ़ इंकार कर दिया। उसने अपने दोस्त पुष्पदीप को व्हाट्सएप पर और रिसॉर्ट के साथी विवेक आर्य को बताया कि उसे जान का खतरा है। पुलकित आर्य भाजपा के पूर्व में मंत्री विनोद आर्य के बेटे हैं। 18 सितम्बर 2022 को अंकिता का फ़ोन बंद हो गया और वह लापता हो गई। 6 दिन बाद 24 सितम्बर को पास की चिल्ला नहर से उसकी गली हुई लाश मिली। जांच में पता चला पुलकित आर्य ने अपने दो साथियों रिसॉर्ट मैनेजर सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता के साथ मिलकर अंकिता पर हमला किया और उसे नहर में फेंक दिया, जहाँ डूबने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद जो हुआ वह न्याय के बजाय पूरी तरह से सबूत मिटाने की कोशिश लगता है। रिसॉर्ट के उस हिस्से को आधी रात में यमकेश्वर की भाजपा विधायक रेनू बिष्ट ने बुलडोजर से तोड़ दिया गया जहाँ अंकिता रहती थी। मुख्यमंत्री धामी और तत्कालीन पुलिस प्रमुख ने एक्स हैंडल पर कहा था कि उन्होनें त्वरित न्याय कर दिया है लेकिन सवाल यह है अंकिता प्रकरण पर अगर सबूत मिटाए गए तो असली न्याय कैसे होगा ? इस प्रकरण में पहले मामला पुलिस को सौंपा गया लेकिन जनता के गुस्से के बाद धामी सरकार ने एसआईटी बैठाई। दिसंबर 2022 में 500 पेज की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल हुई जिसमें वीआईपी का जिक्र तो कई जगह आया लेकिन उसका नाम पता करने की कोशिश कहीं भी नहीं की गई। अंकिता की मां ने वीआईपी का नाम तक बताया था लेकिन सरकार के हाथों खेल रही राज्य की पुलिस ने उनसे पूछताछ तक नहीं की। 30 मई 2025 को कोटद्वार की अदालत ने पुलकित आर्य,सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को दोषी ठहराया और तीनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। आरोपियों ने उत्तराखंड हाईकोर्ट में अपील की लेकिन वीआईपी से पर्दा आज तक नहीं हटा। तमाम सामाजिक संगठनों ने मांग की कि वीआईपी को सामने लाओ और सजा दो। सुप्रीम कोर्ट के वकील कॉलिन गोंसाल्विस ने भी इस मसले पर अपनी आवाज उठायी।

उत्तराखंड के चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में हुए नए खुलासों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार पर दबाव बढ़ा दिया है। विपक्षी कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मामले में कथित वीआईपी की संलिप्तता छिपाई जा रही है और सीबीआई जांच से सरकार भाग रही है। अंकिता की लड़ाई अब केवल अंकिता के परिवार की नहीं, बल्कि पूरे उत्तराखंड की लड़ाई बनती जा रही है। पूर्व सीएम हरीश रावत और पार्टी नेताओं ने धामी सरकार से कैबिनेट बैठक बुलाकर सीबीआई को जांच सौंपने की मांग की है। कांग्रेस का आरोप है कि सबूत मिटाने की कोशिश की गई और वीआईपी को बचाया जा रहा है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस नए विवाद पर अभी सार्वजनिक बयान नहीं दिया है जिसे विपक्ष उनकी मुश्किलें बढ़ने का संकेत बता रहा है। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए विपक्ष के साथ पूरे राज्य की जनता सड़कों पर है। बीते दिनों राजधानी देहरादून में हजारों लोगो का हुजूम अंकितार केस के नए खुलासों की सीबीआई जाँच को लेकर मुख्यमंत्री आवास की तरफ़ बढ़ा जहाँ पुलिस से जोरदार झड़प भी हुई लेकिन राज्य सरकार सरकार साफ़ कह रही है उस रात वनंतारा रिसॉर्ट में कोई वीआईपी नहीं था और एसआईटी जांच पूरी हो चुकी है और आरोपी जेल की सलाखों के पीछे जा चुके हैं।

फिलहाल सीबीआई जांच की मांग से उत्तराखंड में इन दिनों सियासी तनाव बढ़ा हुआ है जहां सभी की नजरें दिल्ली आलाकमान की तरफ लगी हुई हैं। विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार पर लगातार हमलावर हो रहा है और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है। चुनावी साल से ठीक पहले उत्तराखंड की राजनीति में इस घटनाक्रम को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है और आने वाले दिनों में इसके गहरे राजनीतिक असर की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

पृथ्वी घूर्णन दिवस:

पृथ्वी के पर्यावरण को सुरक्षित रखने में सभी का योगदान जरूरी

दिलीप पाठक
पत्रकार

पृथ्वी घूर्णन दिवस हर साल 8 जनवरी को मनाया जाता है, जो हमें हमारे ग्रह की उस निरंतर गति की याद दिलाता है जिसे हम महसूस तो नहीं कर पाते, लेकिन जिसका हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

यह दिन वैज्ञानिक जिज्ञासा और सत्य की खोज का प्रतीक है, जो सदियों के अंधविश्वास को तोड़कर वैज्ञानिक तथ्यों की स्थापना को समर्पित है। सदियों पहले तक मनुष्य का यह मानना था कि पृथ्वी स्थिर है और सूर्य सहित सभी खगोलीय पिंड इसके चारों ओर चक्कर लगाते हैं। लेकिन विज्ञान की प्रगति के साथ यह स्पष्ट हुआ कि हमारी पृथ्वी न केवल सूर्य की परिक्रमा करती है, बल्कि अपनी धुरी पर भी निरंतर घूमती रहती है। इसी घूर्णन गति के कारण ही पृथ्वी पर दिन और रात का चक्र चलता है, जो जीवन की लय को निर्धारित करता है। इस वैज्ञानिक सत्य की गहराई में जाएं तो हम पाते हैं कि पृथ्वी की यह घूर्णन गति केवल समय का मापदंड नहीं है, बल्कि यह हमारे अस्तित्व का आधार भी है। आज के आधुनिक युग में जब हम 2026 में प्रवेश कर चुके हैं, विज्ञान हमें यह समझने में मदद करता है कि पृथ्वी लगभग 1670 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से घूम रही है। इतनी तीव्र गति के बावजूद हमें झटका महसूस नहीं होता, क्योंकि हम और हमारा वायुमंडल भी इसी गति का हिस्सा हैं। यह घूर्णन ही है जो समुद्र के जल स्तर को संतुलित रखता है और पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल के साथ तालमेल बिठाकर हमें धरातल पर टिकाए रखता है। इसके बिना पृथ्वी का आकार भी वैसा नहीं होता जैसा आज हम देखते हैं, क्योंकि घूर्णन के कारण ही यह ध्रुवों पर थोड़ी चपटी और भूमध्य रेखा पर उभरी हुई है।

इस विशेष दिवस का इतिहास फ्रांसीसी भौतिक विज्ञानी लियोन फौकॉल्ट से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने 1851 में एक ऐतिहासिक प्रयोग के माध्यम से पृथ्वी के घूमने के प्रमाण प्रस्तुत किए थे। फौकॉल्ट ने पेरिस के पेंथियन की छत से एक लंबा पेंडुलम लटकाया था और दुनिया को यह दिखाया कि समय के साथ पेंडुलम के दोलन की दिशा बदल रही है। यह बदलाव पेंडुलम के कारण नहीं, बल्कि पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने के कारण हो रहा था। उनके इस सफल प्रदर्शन ने खगोल विज्ञान की दुनिया में एक नई क्रांति ला दी और आम जनमानस के लिए इस सत्य को स्वीकार करना आसान बना दिया। आज फौकॉल्ट पेंडुलम दुनिया भर के कई विज्ञान संग्रहालयों में देखा जा सकता है, जो हमें निरंतर पृथ्वी की गति का स्मरण कराता रहता है।

पृथ्वी की घूर्णन गति हमारे अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यह न केवल दिन-रात का निर्माण करती है, बल्कि पृथ्वी के तापमान को भी संतुलित रखती है। यदि पृथ्वी घूमना बंद कर दे, तो इसके एक हिस्से में हमेशा चिलचिलाती गर्मी और दूसरे हिस्से में जमा देने वाली ठंड होगी, जिससे जीवन का अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा। इसके अलावा, पृथ्वी के घूमने से उत्पन्न होने वाला कोरियोलिस प्रभाव समुद्र की लहरों और वायुमंडल में हवाओं की दिशा को नियंत्रित करता है। मौसम का बदलना, बादलों की गति और महासागरीय धाराओं का प्रवाह, ये सभी पृथ्वी के निरंतर घूमने का ही परिणाम हैं। यह घूर्णन ही पृथ्वी के चारों ओर उस चुंबकीय क्षेत्र का निर्माण करता है, जो हमें सूर्य की हानिकारक विकिरणों से बचाता है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, यह दिवस हमें जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी के बदलते स्वरूप पर भी विचार करने के लिए मजबूर करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियरों का पिघलना पृथ्वी के द्रव्यमान वितरण को बदल रहा है, जिससे इसकी घूर्णन गति पर सूक्ष्म प्रभाव पड़ सकता है। यह सूक्ष्म बदलाव भविष्य में हमारे सटीक समय मापन और उपग्रह संचार प्रणालियों के लिए चुनौतियां खड़ी कर सकता है। अत:, पृथ्वी घूर्णन दिवस केवल एक खगोलीय घटना का उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमारे पारिस्थितिक तंत्र की संवेदनशीलता को समझने का भी दिन है। यह हमें सिखाता है कि प्रकृति की हर क्रिया एक निश्चित गणित और संतुलन पर आधारित है, जिसे बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आज के आधुनिक युग में पृथ्वी घूर्णन दिवस मनाने का उद्देश्य नई पीढ़ी को विज्ञान के प्रति जागरूक करना और उन्हें ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने के लिए प्रेरित करना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि भले ही हम अपने पैरों के नीचे की जमीन को स्थिर महसूस करते हों, लेकिन हम वास्तव में अंतरिक्ष में एक अविश्वसनीय गति से यात्रा कर रहे हैं। शैक्षणिक संस्थानों में इस दिन छात्रों को खगोल भौतिकी के बारे में बताया जाता है और महान वैज्ञानिकों के संघर्षपूर्ण योगदान को याद किया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो, यह दिवस कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है कि हमारी पृथ्वी सही गति और सही झुकाव के साथ घूम रही है, जिससे जीवन फलता-फूलता रहे। हमें इस दिन यह संकल्प लेना चाहिए कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाएंगे और अपनी पृथ्वी के पर्यावरण को सुरक्षित रखने में योगदान देंगे ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इस अद्भुत ग्रह की गति का आनंद ले सकें।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

काला मोतिया के अंधेपन से बचाएगी 40 की उम्र के बाद आंखों की नियमित जांच

काला मोतिया से आए अंधेपन का कोई इलाज नहीं। इसे कभी ठीक नहीं किया जा सकता है। हालांकि आप इससे बच जरूर सकते हैं, लेकिन उसके लिए समय रहते आंखों की इस बीमारी का पता लगना बहुत जरूरी है। इसका तरीका पंचशील पार्क स्थित मैक्स मल्टी स्पेशियलिटी सेंटर के ऑप्थल्मोलॉजी (ग्लूकोमा सर्जरी, पीडियाट्रिक ग्लूकोमा) के सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर देविन्द्र सूद ने बताया है।

डॉक्टर का कहना है कि ग्लूकोमा की जांच पारंपरिक रूप से बढ़ाए गए इंट्राओक्यूलर प्रेशर, ऑप्टिक नर्व चेंज, विजुअल फील्ड में बदलाव और गोनियोस्कोपी पर एंगल आउटफ्लो स्ट्रक्चर के स्टेटस पर आधारित होती है। इंट्राओक्यूलर प्रेशर सालों से ना केवल ग्लूकोमा की जांच के लिए एक महत्वपूर्ण मानक है, बल्कि इलाज के प्रभाव का पता लगाने में भी मदद करता है। इस वजह से शुरुआत से ही हर विजिट पर इसे मापा जाता है।

इंट्राओक्यूलर प्रेशर का नॉर्मल लेवल: डॉक्टर के अनुसार नॉर्मल इंट्राक्यूलर प्रेशर मरकरी के 11 से 21 मिलीमीटर तक माना जाता है। हालांकि 25 मिलीमीटर होने के बाद भी आपको काला मोतिया नहीं हो सकता, लेकिन 15 के प्रेशर पर हो सकता है। इसलिए ग्लूकोमा की जांच के लिए दूसरे मानकों को भी देखा जाता है, जैसे ऑप्टिक नर्व के हुए स्ट्रक्चरल डैमेज, विजुअल फील्ड में फंक्शनल बदलाव और गोनियोस्कोपी पर एंगल आउटफ्लो स्ट्रक्चर का स्टेटस।

गोनियोस्कोपी की जरूरत: गोनियोस्कोपी करवाना बहुत जरूरी है, क्योंकि यही एक टेस्ट है जिससे ग्लूकोमा का प्रकार पता लगता है। यह बताने की बिल्कुल जरूरत नहीं है कि मरीज को ग्लूकोमा का इलाज उसके प्रकार के मुताबिक ही दिया जाता है। इंस्ट्राओक्यूलर प्रेशर, ऑप्टिक नर्व, विजुअल फील्ड और गोनियोस्कोपी, ये सभी चार पैरामीटर ग्लूकोमा का पता और ट्रीटमेंट का प्रभाव जानने के लिए जरूरी हैं ताकि आगे चलकर स्थिति ज्यादा ना बिगड़े।

भारतीयों में जांच की जरूरत: डॉक्टर का कहना है कि भारत में आंखों के स्वास्थ्य को लेकर जागरुकता और रुटीन आई स्क्रीनिंग बहुत कम है, इसलिए हमारे में ग्लूकोमा की टेस्टिंग की जरूरत ज्यादा है। 40 की उम्र पार करने के बाद साल में एक बार आई प्रेशर जरूर चेक करवाना चाहिए, चाहे आपकी आंखों या नजर में कोई दिक्कत ना हो। डायबिटीज, ग्लूकोमा की फैमिली हिस्ट्री, हाई मायोपिया या स्टेरोइड का लंबे समय से इस्तेमाल करने वालों को आंखों के डॉक्टर की सलाह पर साल में ज्यादा बार भी चेक करवाने की जरूरत पड़ सकती है।

सुविचार

'अगर आप सफल होना चाहते हैं तो आपको अपने काम में एकाग्रता लानी होगी।'

– बिल गेट्स

AI अपडेट

ट्रैफिक से परेशान इंजीनियर ने बनाया AI हेलमेट पुलिस को भेजेगा नियम तोड़ने वालों के सबूत

बेंगलुरु के ट्रैफिक से परेशान होकर एक इंजीनियर ने आम हेलमेट को AI से लैस हेलमेट में बदल दिया। यह हेलमेट ट्रैफिक नियमों को ताक पर रखने वालों की पहचान कर उनकी जानकारी सबूत समेत सीधा पुलिस तक पहुंचाएगा। भले बेंगलुरू अपने सुहावने मौसम, आईटी कंपनियों और लाजवाब डोसे के लिए खासा पॉपुलर हो लेकिन एक चीज ऐसी भी है, जिससे लगभग हर बेंगलुरुवासी परेशान रहता है। हम बात कर रहे हैं भयानक ट्रैफिक और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी। ये परेशानी कितनी बड़ी है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने तंग आकर एक आम बाइक हेलमेट को AI-पावर्ड निगरानी टूल में बदल दिया। अब इसकी चर्चा पूरे इंटरनेट पर है और टेक कम्युनिटी इसकी तारीफ करते नहीं थक रही।

कैसे काम करता है यह AI हेलमेट: AI से लैस हेलमेट बनाने वाले इंजीनियर का नाम है पंकज। इस हेलमट की खासियत है कि यह सड़क पर बिना हेलमेट पहले चल रहे लोगों की पहचान कर सकता है। इसके अलावा ट्रैफिक नियमों को तोड़ रहे चालकों को भी यह बहुत ही आसानी से पकड़ सकता है। जैसे ही किसी ट्रैफिक नियम का उल्लंघन होता है, हेलमेट में मौजूद कैमरा एक एचडी फोटो क्लिक कर लेता है। पंकज ने इस प्रोजेक्ट का डेमो X पर शेयर किया था। इसके बाद यह टेक कम्युनिटी समेत इंटरनेट पर चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग इस AI हेलमेट को 'आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है' का जीता-जागता उदाहरण बता रहे हैं।

पुलिस तक सीधे पहुंचती है डिटेल: यह AI हेलमेट सिर्फ ट्रैफिक नियम न पालन करने वालों की पहचान ही नहीं करता बल्कि GPS लोकेशन और वाहन की डिटेल्स सीधे पुलिस तक पहुंचा देता है। पंकज के मुताबिक इससे नियम तोड़ने वाले पर कार्रवाई की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने एक वीडियो में अपने प्रोजेक्ट को लेकर चेतावनी भी दी है कि 'बेंगलुरु वालों, अब सुरक्षित चलो वरना पछताओ।' कुछ लोग इसे ट्रैफिक सुधार की दिशा में बड़ा कदम मान रहे हैं।

इस इनोवेशन को जहां कई लोग 'पीक बेंगलुरू मोमेंट' बता रहे हैं। लोगों का कहना है कि इस टेक्नोलॉजी का डैशकैम या कमर्शियल वाहनों में इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं आलोचक प्राइवेसी, डेटा के गलत इस्तेमाल और कानूनी वैधता पर सवाल उठा रहे हैं। पंकज का कहना है कि यह प्रोजेक्ट सिर्फ उनका एक शौक है। उन्हें टेक्नोलॉजी से खेलना और कुछ नया बनना पसंद है। आगे वह इसे कहां लेकर जाएंगे इस बारे में उन्होंने ज्यादा कुछ सोचा नहीं है। यह फिलहाल एक प्रोटोटाइप भर है लेकिन इससे इतना जरूर पता चलता है कि AI के इस्तेमाल से सिस्टम को जवाबदेह बनाया जा सकता है।

अजब - गजब

पार्टनर की जुदाई से गम में डूबा हिप्पो ! 14 दिनों से नहीं निकला पानी से बाहर

लोगों को लगता है कि जानवरों के अंदर भावनाएं नहीं होती हैं, वो सिर्फ अपना पेट भरना जानते हैं। मगर कोलकाता के जू में रहने वाले एक हिप्पो ने इस बात को पूरी तरह गलत ठहराया है। ये हिप्पो 14 दिनों से पानी से बाहर नहीं निकला है। कारण है पार्टनर से जुदाई। उसकी इस स्थिति पर जू कर्मी भी परेशान हैं। हालांकि, डॉक्टर्स का ये भी अंदाजा है कि शायद उसकी तबीयत खराब है, इस वजह से भी वो पानी से बाहर नहीं निकल रहा है।

कोलकाता के अलीपुर जू से एक बेहद भावुक और चिंताजनक खबर सामने आई है। यहां मौजूद एक दरियाई घोड़ा (हिप्पोपोटेमस) पिछले 14 दिनों से तालाब से बाहर आने से इनकार कर रहा है। शहर में जारी कड़ाके की ठंड के बीच यह असामान्य व्यवहार चिड़ियाघर प्रशासन और पशु चिकित्सकों के लिए चिंता का विषय बन गया है। चिड़ियाघर अधिकारियों के अनुसार यह व्यवहार क्रिसमस के आसपास से शुरू हुआ। आमतौर पर दरियाई घोड़े दिन के समय पानी में रहते हैं और शाम ढलते ही अपने नाइट शेल्टर यानी रात्रि विश्राम स्थल में चले जाते हैं लेकिन यह नर हिप्पो लगातार पानी में ही बना हुआ है और कई कोशिशों के बावजूद बाहर नहीं आ रहा।

साथी की मौत का सदमा !: इतना ही नहीं, उसने ठीक से खाना भी बंद कर दिया है, जिससे उसकी सेहत को लेकर चिंता और बढ़ गई है। पशु चिकित्सकों की टीम लगातार उसकी निगरानी कर रही है, लेकिन अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि यह व्यवहार किसी शारीरिक बीमारी की वजह से है या फिर भावनात्मक कारणों से। दरअसल, इस नर हिप्पो की मादा साथी की साल 2024 में मौत हो गई थी, और अब आशंका जताई जा रही है कि वह अपने जोड़े की मौत के सदमे और अकेलेपन से उबर नहीं पाया है। अधिकारियों ने बताया कि यह दरियाई घोड़े का जोड़ा सितंबर 2024 में ओडिशा के नंदनकानन चिड़ियाघर से कोलकाता लाया गया था।

हो सकती है अंदरूनी बीमारी: हालांकि, दुर्भाग्यवश मादा हिप्पोपोटेमस की यहां पहुंचने के कुछ ही दिनों बाद मौत हो गई। विशेषज्ञों का मानना है कि दरियाई घोड़े सामाजिक जीव होते हैं और लंबे समय तक साथी के साथ रहने के बाद उसका अचानक अलग हो जाना गहरा मानसिक प्रभाव डाल सकता है। चिड़ियाघर के एक सूत्र ने बताया कि पशु चिकित्सकों ने उसे पानी से बाहर निकालने के लिए कई तरीके अपनाए। कभी पसंदीदा भोजन का लालच दिया गया, तो कभी कर्मचारियों ने उसे धीरे-धीरे बाहर लाने की कोशिश की लेकिन हर बार वह खाना लेकर फिर वापस पानी में चला गया। यह व्यवहार सामान्य नहीं माना जा रहा है, खासकर तब जब तापमान लगातार गिरा हुआ है और ठंड दरियाई घोड़े के स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकती है। हालांकि अब तक किसी स्पष्ट शारीरिक समस्या की पुष्टि नहीं हो सकी है।

निशाना

अंधाधुंध नहीं..!

आशीष गुप्ता

झकझोर देती है अंतर्मन को भीषण सड़क दुर्घटना
आसान नहीं होता है ,इस असहनीय दर्द को सहना।
आज बढ़ती ही जाती दुर्घटना की मात्रा
भय युक्त हो गई इससे हमारी यात्रा।
देख हृदय विदारक घटना को
मन सहम सा जाता है
जीवन मूल्य समझना तब अहम सा हो जाता है।
जीवन का मूल्य समझे ,इसे ना आँके कम
पूरी तरह से हम ध्यान रखें ट्रैफिक नियम।
जीवन की गारंटी नहीं देता है वाहन की बीमा
अंधा मोड़ पर अंधाधुंध नहीं,
बल्कि वाहन दौड़ाये धीमा।
सावधान रहें ,समझदार बने
गलती से भी पार न करें वाहन की तय गति सीमा।

आक्रोशः सिरोंज में आयोजित कार्यक्रम में भगवान पर की गई टिप्पणी पर जताया विरोध, युवक को गिरफ्तार करने की मांग

राम जी का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान के नारों के साथ रघुवंशी समाज ने किया प्रदर्शन

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

सिरोंज में आयोजित हुई एक सार्वजनिक सभा के दौरान भगवान श्रीराम एवं माता सीता पर की गई अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में बुधवार को नगर में बड़ी संख्या में रघुवंशी समाज का आक्रोश सड़कों पर देखने को मिला। भीम आर्मी द्वारा सिरोंज में आयोजित की गई एक सभा में युवक द्वारा की गई भगवान राम जी पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ समाजजनों ने एकजुट होकर पैदल मार्च निकाला और मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपकर संबंधित युवक के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। कार्रवाई न होने पर समाज ने ज्ञापन के माध्यम से पूरे प्रदेश भर में उग्र प्रदर्शन की चेतावनी दी।

बरेठ रोड स्थित रघुवंशी धर्मशाला में समाज जन एकत्रित हुए। इसके बाद बड़ी संख्या में रघुवंशी समाज समाज जन चेहरे पर आक्रोश और मन में पीड़ा लिए पैदल मार्च करते हुए जय स्तंभ चौक से होते हुए तहसील परिसर पहुंचे। पैदल मार्च के दौरान वातावरण राम जी का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान सनातन धर्म का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान हिंदू देवी-देवताओं का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान जैसे नारों से गूंजता रहा। नारों के माध्यम से समाजजनों ने स्पष्ट संदेश दिया कि सनातन धर्म और आराध्य देवों के अपमान को किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा। तहसील परिसर पहुंचकर समाजजनों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि सार्वजनिक मंच से भगवान श्रीराम एवं माता सीता पर अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किया गया, जिससे करोड़ों सनातनियों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। ज्ञापन में समाजजनों ने यह भी उल्लेख किया कि कथित युवक द्वारा सार्वजनिक मंच से दिए गए बयान न केवल भगवान श्रीराम एवं माता सीता के प्रति अमर्यादित हैं, बल्कि महिला-विरोधी मानसिकता को भी दर्शाते हैं। ज्ञापन के अनुसार युवक ने सभा के दौरान महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक शब्दों और तुलना का प्रयोग किया, जिनके वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इससे न केवल सनातन धर्म की आस्था को ठेस पहुंची है, बल्कि समाज में महिलाओं के सम्मान और गरिमा पर भी गंभीर आघात हुआ है। इस प्रकार के बयान समाज में वैमनस्य फैलाने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का कार्य करते हैं। ज्ञापन का वाचन पूर्व मंत्री वीर सिंह रघुवंशी द्वारा किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की टिप्पणियां समाज को बांटने और टकराव की स्थिति पैदा करने वाली हैं। समाजजनों ने प्रशासन से मांग की कि संबंधित युवक के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक मंच से हिंदू देवी-देवताओं और सनातन धर्म के प्रति अपमानजनक बयान देने का दुस्साहस न कर सके। प्रदर्शन के दौरान पूरे समय आक्रोश का माहौल बना रहा और समाजजन लगातार नारेबाजी करते रहे। इस मौके पर विधायक हरि सिंह रघुवंशी, पूर्व संसदीय सचिव अजय सिंह रघुवंशी, अखिल भारतीय रघुवंशी क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रहलाद सिंह रघुवंशी, जिला अध्यक्ष मोहर सिंह रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। एक स्वर में कहा कि सनातन धर्म, भगवान का अपमान करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

न्यूज विंडो

एसपीएम कारखाने का 1788 करोड़ रुपए से होगा मॉडिफिकेशन विस्तार, लगेगी नई मशीन

नर्मदापुरम। जिला अब नोटों का कागज बनाने में देश को नई पहचान दिलाएगा। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने नर्मदापुरम के प्रतिभूति कागज कारखाने (एसपीएम) के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए 1788 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत कर दी है। इस फंड से कारखाने का पूरा अपग्रेडेशन होगा और नोटों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने केलिए नई मशीन भी लगाई जाएगी।नरसिंहपुर-नर्मदापुरम क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने लंबे समय से इस मांग को लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के समक्ष उठाया था। उनकी कोशिश रंग लाई और अब यह परियोजना क्षेत्रीय विकास का मील का पत्थर बनेगी। नर्मदापुरम का एसपीएम कारखाना भारत सुरक्षा मुद्रण एवं मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड की प्रमुख इकाई है, जो देश की सुरक्षा-संबंधी कागज आवश्यकताओं को पूरा करता है। पुरानी मशीनों के स्थान पर अत्याधुनिक नई पेपर मशीन लगने से उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता और आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। इससे न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होगी, बल्कि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार, औद्योगिक विकास और युवाओं को तकनीकी अवसर मिलेंगे। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्रिमंडल का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय नर्मदापुरम को औद्योगिक मानचित्र पर नई ऊंचाई देगा।

स्वनिधि योजना के शिविर में 41 आवेदन आए, 27 के आयुष्मान कार्ड भी बनाए

सिरोंज। नगर पालिका द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि 2.0 योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों को देने के लिए शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में नपा द्वारा पुराना बस स्टैंड पर विशेष शिविर लगाया गया। योजना के तहत पहले चरण में 15000 रूपए, दूसरे चरण में 25000 और तीसरे चरण में 50 हजार रूपए का लोन बैंको द्वारा प्रदान किया जाता है। यह लोन हाथ ठेला, सब्जी एवं फल विक्रेता, फास्ट फूड विक्रेता तथा छोटे व्यवसाईयों को दिया जाता है। जो पूरी तरह ब्याज मुक्त होता है। शिविर के दौरान 41 लोगों ने जानकारी लेकर लोन के लिए आवेदन किया। इस दौरान 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के आयुष्मान कार्ड भी बनाने का कार्य किया गया और 27 आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। शिविर में नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज साईंनाथ तथा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी।

सोहागपुर विधायक ने सीएम से की विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा

नर्मदापुरम। सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने भोपाल के वल्लभ भवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।विधायक ने जनहित के विषयों, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, लंबित विकास कार्यों को शीघ्र पूरा कराने तथा नई योजनाओं को गति देने के प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। सीएम ने इन प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।विधायक विजयपाल सिंह ने बताया कि इस मुलाकात से क्षेत्र के विकास को बहुमूल्य सुझाव प्राप्त हुए हैं, जिससे आने वाले दिनों में कार्यों को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी और सांसद प्रतिनिधि आकाश तिवारी भी उपस्थित रहे।

साधारण सम्मेलन में 65 प्रस्ताव पास, कांग्रेस पार्षदों का विरोध नहीं आया काम

नपा करवाएगी स्कूल स्तरीय ओलम्पिक अलीगंज मैदान पर फिर लगेगा पशु मेला

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

शहर के खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए अब नगर पालिका द्वारा स्कूल स्तरीय ओलम्पिक करवाया जाएगा। यह प्रस्ताव नपा के साधारण सम्मेलन में सर्वसम्मती से पास किया गया है। कुछ दिन पहले विधायक उमाकांत शर्मा ने इस संबंध में योजना बनाने के निर्देश नपा को दिए थे। इसके बाद नपा परिषद ने शहर के सभी हाईस्कूल और हासे स्कूलों में विद्यालय स्तरीय ओलम्पिक करवाने के लिए शिक्षा विभाग के पास प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही नपा ने अलीगंज पर लगने वाले प्राचीन मेले को भी एक बार फिर शुरू करने का निर्णय लिया है।

नपाध्यक्ष मनमोहन साहू ने बताया कि पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा क्षेत्र की परम्पराओं को लेकर सदैव चिंतित रहे हैं। उन्हीं के द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करते हुए अलीगंज मैदान पर लगने वाले पशु मेले को हम एक बार फिर शुरू करेंगे। यह मेला पहले से अधिक भव्य होगा। डॉक्टर अंबेडकर, अटल जी एवं मास्टर शरीफ और लक्ष्मीकांत शर्मा के नाम पर होगा मार्गों के नाम सम्मेलन में नपा ने लटेरी नाका से पोस्ट ऑफिस तिराहे की सड़क का नामकरण भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के नाम पर एवं लिंक रोड का नामकरण भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर करने का प्रस्ताव रखा है। इसके साथ ही भूतवूर्प मंत्री मास्टर शरीफ के नाम पर हाथीथान की सड़क और पॉलीटेक्निक कॉलेज तिराहे से आरोन रोड नसिया तक के रोड का नाम पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा के नाम पर रखने का निर्णय लिया है। यह हिस्सा अभी उत्कृष्ट सड़क के नाम से जाना जाता है। सम्मेलन की शुरूआत में कांग्रेसी पार्षदों ने विरोध करने का प्रयास भी किया लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो सकी। सभी 65 प्रस्ताव सर्वसम्मती से पास हो गए। इस दौरान नपा उपाध्यक्ष मनोज साईंनाथ तथा सीएमओ रामप्रकाश साहू के साथ ही अन्य पार्षद और कर्मचारी मौजूद थे।

तीन खुटा शादी हॉल की जगह बनेगा नया भवन

सम्मेलन में अनेक वार्डो मे सीसी सड़क निर्माण के साथ ही 15 करोड़ की लागत से बनने वाले गीता भवन के प्रोजेक्ट को तैयार करने पर भी सहमती बनी। इसके साथ ही तीन खुटा तलैया स्थित नपा शादी हाल की जगह नवीन तीन मंजिला भवन, नवीन नगरपालिका भवन, वर्तमान नपा भवन के स्थान पर शापिंग काम्प्लेक्स का निर्माण तथा नवीन खेल मैदान बनाने का प्रस्ताव भी शामिल किया गया है।

शहर में महापुरुषों की लगेंगी प्रतिमाएं

सम्मेलन में शहर के सौंदर्यीकरण के लिए महापुरूषों की प्रतिमा लगाने का प्रस्ताव भी रखा गया। इनमें शासकीय कन्या हासे स्कूल में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के साथ ही विभिन्न चयनित स्थानों पर राजा शंकर सिंह सेंगर, महाराजा छत्रसाल, सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉक्टर श्यामाप्रसाद मुखर्जी और अटल बिहारी वाजपेयी के साथ ही एलबीएस कॉलेज में लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा शामिल है। इसके साथ ही बासौदा नाका स्थित कांजी हाउस के स्थान ईलायब्रेरी बनाने का प्रस्ताव भी एजेंडे में रखा गया।

बैठक में जनपद अध्यक्ष चौकसे की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत नर्मदापुरम की सामान्य सभा की मासिक समीक्षा बैठक जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत रामपुर के सभागृह में संपन्न हुई। बैठक में जनपद क्षेत्र के विकास एवं प्रशासनिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई तथा संचालित योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई।जनपद पंचायत में प्रतिमाह सदस्यों की समीक्षा बैठक आयोजित होती है, जिसमें पदाधिकारी एवं खंडस्तरीय अधिकारी योजनाओं की प्रगति पर चर्चा करते हैं। इस क्रम में रामपुर में हुई बैठक मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से शुरू हुई। जनपद सदस्य आशुतोष शरण तिवारी एवं सरपंच रीना तिवारी ने सभी सदस्यों, अधिकारियों व कर्मचारियों का स्वागत कर साल-श्रीफल भेंटे।बैठक में विकास खंडों के अधिकारियों ने विभागवार योजनाओं की जानकारी दी, जिस पर अध्यक्ष एवं सदस्यों ने समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए। उसके बाद सरपंच रीना तिवारी एवं आशुतोष तिवारी ने नववर्ष मिलन समारोह आयोजित किया, जिसमें गीत-संगीत के साथ सभी को भोजन कराया गया।जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी रंजीत ताराम, उपाध्यक्ष मंजुलता नीलेंद्र पटेल, सदस्यगण आशुतोष शरण तिवारी, मदन मोहन गुबरेले, यशवंत गौर, शिरीन प्रहलाद आटनेरे, विधायक प्रतिनिधि ज्योति चौरे एवं सुभाष पटेल, सरपंच अनीता ब्रजमोहन यादव, अमर सिंह सोलंकी सहित अधिकारी-कर्मचारी व स्टाफ मौजूद रहे।

अवैध खनन-परिवहन पर नर्मदापुरम में कार्रवाई, कई वाहन-मशीनें की जब्त

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध खनन, परिवहन व भंडारण के खिलाफ खनिज, राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की। विभिन्न क्षेत्रों से ट्रक, डंपर, ट्रैक्टर-ट्रॉली व जेसीबी जब्त कर थानों की अभिरक्षा में सौंप दीं।इटारसी क्षेत्र से रेत के अवैध परिवहन में लगे एक ट्रक व डंपर थाना रामपुर गुर्रा को सौंपे गए। तहसील सिवनीमालवा के ग्राम कोटलाखेड़ी से बिना नंबर के दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर थाना सिवनीमालवा में रखी गईं। सोहागपुर के पलकमती नदी क्षेत्र में मिट्टी-बजरी उत्खनन के लिए प्रयुक्त जेसीबी थाना सोहागपुर को सौंपी गई। ग्राम डांडीवाड़ा (तहसील इटारसी) से गिट्टी लादे डंपर (एमपी 04 एचई 4308) थाना केसला में व ग्राम पांजरा (तहसील नर्मदापुरम) से बिना नंबर ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गई।कार्रवाई में अनुविभागीय अधिकारी इटारसी नीलेश शर्मा, जिला खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम, खनिज निरीक्षक पिंकी चौहान, नायब तहसीलदार सोहागपुर रंजीत चौहान, प्रभारी खनिज निरीक्षक कृष्णकांत सिंह परस्ते व होमगार्ड बल शामिल रहे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जा रहे युवक को दबोचा

महेश्वर। दोपहर मेट्रो

निमाड़ क्षेत्र में लव जिहाद का एक संदिग्ध मामला सामने आने के बाद तनाव की स्थिति देखी गई। मंडलेश्वर के गांधीनगर में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एक कार को रोका, जिसमें एक मुस्लिम युवक, अमन शेख एक हिंदू युवती और एक नाबालिग लड़की सवार थे। संगठनों का आरोप है कि यह लव जिहाद का सुनियोजित मामला है। हंगामे और तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए मण्डलेश्वर पुलिस ने मामला महेश्वर थाने स्थानांतरित किया, जहां पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को सूचना मिली थी कि महेश्वर क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाया जा रहा है। इस पर कार्यकर्ताओं ने मंडलेश्वर के गांधीनगर में घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। मौके पर मुस्लिम युवक निवासी महेश्वर और हिन्दू युवती को एक नाबालिग लड़की के साथ पाया गया। कार्यकर्ताओं

ने तत्काल इन्हें थाने पहुंचाया। खबर फैलते ही बड़ी संख्या में हिंदू संगठन के पदाधिकारी थाने पर जमा हो गए और लव जिहाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे। पूछताछ में सामने आया कि नाबालिग लड़की की मुस्लिम लड़के से दोस्ती उसकी ही सहेली ने करवाई थी। आरोपी के अनुसार उसके पिता को पैरालिसिस होने के कारण उसकी फ्रेंड पिताजी को देखने घर आ रही थी और वह अपने साथ नाबालिग सहेली और मुस्लिम धर्म के युवक को लेकर आ रही थी। वही नाबालिग ने बयान दिया कि वह मना कर रही थी, फिर भी मुझे मेरी सहेली व मुस्लिम धर्म का लड़का जबरन गाड़ी में लेकर जा रहे थे।

दोनों युवक व दोनों लड़कियां महेश्वर थाना क्षेत्र की होने के कारण थाना प्रभारी दीपक यादव, नाबालिग और आरोपियों को लेकर थाने पहुंचे। वहां महिला पुलिस अधिकारियों ने नाबालिग के बयान दर्ज किए। बयानों के आधार पर पुलिस ने मुस्लिम युवक व हिन्दू युवती के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। विहिप जिलाध्यक्ष रवि गुर्जर और बजरंग दल जिला संयोजक बलराज खटीक ने कहा कि शहर में लव जिहाद और धर्मांतरण की साजिशें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। नाबालिगों को टारगेट किया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान परशुराम साठे, पीयूष वर्मा, चंचल अग्रवाल, बादल वर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। थाना प्रभारी जगदीश गोयल ने बताया कि नाबालिग लड़की के बयानों के आधार पर तीन लोगों पर मामला पंजीकृत किया गया है। मामला नाबालिग से जुड़ा होने के कारण हम हर पहलू की बारीकी से जांच कर रहे हैं। वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मेट्रो एंकर

अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट में रोमांच चरम पर

नागपुर ने राजस्थान पुलिस को 4-1 से हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

धनपुरी। तेंदूखेड़ा

नपा परिषद के तत्वावधान में सुभाष स्टेडियम क्रमांक-3 में आयोजित अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। देश की नामचीन टीमें उत्कृष्ट खेल भावना, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक जज्बे के साथ मैदान में दमदार प्रदर्शन कर रही हैं।

पहले मुकाबले में साउथ ईस्टर्न सेंट्रल रेलवे हेडक्वार्टर नागपुर ने राजस्थान पुलिस, राजस्थान को 4-1 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मैच के स्टार खिलाड़ी निर्मल मुंडा रहे, जिन्होंने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक गोल दागी और इस टूर्नामेंट में हैट्रिक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। मैच की शुरुआत से ही नागपुर की टीम आक्रामक रही। छठे ही मिनट में थुशाल ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद नागपुर की टीम ने खेल पर पूरा नियंत्रण बनाए रखा और राजस्थान पुलिस को वापसी का कोई ठोस

अवसर नहीं दिया। पिछले मैचों में मिले कार्ड के कारण दोनों टीमों के एक-एक खिलाड़ी को इस मुकाबले में खेलने की अनुमति नहीं दी गई। मैच कमिश्नर नीरज शर्मा ने नियमों का हवाला देते हुए स्थिति को स्पष्ट किया और खेल को सुचारु रूप से आगे बढ़ाया। पहले मैच की मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रविंद्र कौर छाबड़ा रहीं। विशिष्ट अतिथियों में नगर पालिका उपाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल, प्रतिपक्ष नेता शोभाराम पटेल, इंटक महामंत्री अमरजीत सिंह, सभापति नारायण जायसवाल, जयदीप पाल, गोविंद अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। रेफरी की भूमिका में शेख कुनैन, सुरेश विश्वकर्मा, दीपक कुमार एवं गौरव पांचे रहे।

दिन के दूसरे मुकाबले में बैंक ऑफ बड़ौदा, मुंबई ने रेलवे कोच फैक्ट्री कपूरथला, पंजाब को 3-0 से पराजित किया। इस मैच के मुख्य अतिथि शहडोल जिले के पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव रहे। साथ ही भाजपा के संभागीय प्रभारी गौरव सिरोठिया सहित अनेक जनप्रतिनिधियों की विशेष उपस्थिति रही। रेफरी के रूप में नितेश मरावी, शाहरुख खान, राजपुरी और शेख कुनैन ने अपने दायित्वों का निर्वहन किया। संतुलित और तेज खेल के बीच बैंक ऑफ बड़ौदा की टीम ने निर्णायक बढ़त बनाते हुए जीत दर्ज की। यह टूर्नामेंट का अंतिम लीग मैच रहा। मैदान की उत्कृष्ट तैयारी और व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी जयदीप पाल, शोभाराम पटेल, गोविंद अग्रवाल सहित पूरी टीम ने संभाली। स्वच्छता पर्यवेक्षक शारदा इमलिया एवं उनकी टीम का योगदान भी सराहनीय रहा। कमेंट्री बॉक्स में विशेष रूप से अमेरिका से मोहम्मद हारुन, अपने पुत्र आर्यन (कैलिफोर्निया) की उपस्थित रहे।

बैंक में नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी : मुन्ना भाई व एक कर्मचारी गिरफ्तार, तीन पर केस दर्ज

बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों ने बायोमेट्रिक सत्यापन के दौरान पकड़ी जलसाजी

धार। दोपहर मेट्रो

बैंक ऑफ इंडिया में नौकरी करने के नाम पर एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया हैं, जिसमें भर्ती प्रक्रिया के दौरान परीक्षा में एक डमी मुन्ना भाई बैठता था। परीक्षा पास होने पर संबंधित को नौकरी भी मिल जाती थी, हालांकि विभागीय बायोमेट्रिक सत्यापन के दौरान षड्यंत्र पूर्वक की गई जालसाजी

सामने आ गई है। बैक की और से सूचना नौगांव पुलिस को दी गई, पुलिस ने इस मामले में बैंक अधिकारी अरुण कुमार जैन की रिपोर्ट पर आरोपी शुभम पिता राकेश गुप्ता उम्र 29 साल निवासी हरियाणा, पंकज कुमार पिता मदन मोहन मीना उम्र 27 साल निवासी राजस्थान व राकेश पिता चिरंजीलाल मीना उम्र 34 साल निवासी राजस्थान के खिलाफ प्रकरण दर्ज करते हुए शुभम व पंकज को अरेस्ट किया है। उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी नौगांव निरीक्षक हिरुसिंह रावत, उनि. बीपी तिवारी, सउनि. विजय सिंह डामोर, आरक्षक 246 अनिल बीसी, देवेन्द्र परमार का विशेष योगदान रहा है।

यह था मामला: दरअसल शहर की बसंत विहार कॉलोनी में बैंक ऑफ इंडिया की आंचलिक का कार्यालय स्थित है। कार्यालय अधिकारियों की और से बड़वानी जिले में पदस्थ पंकज कुमार मीणा व खरगोन जिले में पदस्थ राकेश मीना को बुलाया गया था, दोनों ही कर्मचारियों का बायोमेट्रिक सत्यापन को लेकर पिछले कुछ समय से दिक्कत आ रही थी। ऐसे में आंचलिक कार्यालय से लगातार सूचना दी जा रही थी। हालांकि दोनों बैंक कर्मचारी सत्यापन के लिए नहीं पहुंचे व अपनी जगह परीक्षा देने वाले मुन्ना भाई को ऑफिस पहुंचाया था। आरोपी शुभम हरियाणा से धार पहुंचा व विभागीय सत्या पान की प्रक्रिया में शामिल हुआ था। इधर बैंक में नौकरी के नाम पर हुए फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद बैंक अधिकारी भी अलर्ट हो गए हैं, विभागीय स्तर पर जांच शुरु की गई हैं, ताकि गलत तरीके से नौकरी लेने वालों को चिन्हित किया जा सके।

मोबाइल व दस्तावेज जब्त

एसपी मयंक अवस्थी के निर्देशन व सीएसपी सुजावल जग्गा के निर्देशन में नौगांव पुलिस ने जांच शुरु की थी। थाना प्रभारी रावत के अनुसार दो व्यक्तियों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर अपने अन्य साथी रूकाम मीणा निवासी करोली राजस्थान के साथ मिलकर वर्ष 2021-2022 से लगातार दुसरे अभ्यर्थी के नाम पर आवेदन कर मिलती जुलती हुलिया का फोटो एडिटिंग कर अन्य व्यक्ति द्वारा परीक्षा देना और उत्तीर्ण होने पर 6 से 8 लाख रुपयों का लेनदेन करना और वर्तमान में बैंक में सहायक मैनेजर और बैंक क्लर्क के पद पर पदस्थ होना बताया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मोबाइल एवं दस्तावेज जप्त किये गये है, जिन्हें न्यायालय पेश कर पुलिस रिमांड लिया जाकर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है और शेष फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

न्यूज विंडो

कंपनी का युवाओं के साथ अन्याय बेरोजगारी के खिलाफ किया विरोध

शहडोल। आरकेटीसी ओबी कम्पनी का कार्य की शुरुआत के दरमियान ही विवादों से नाता जुड़ गया मामला इतना गंभीर हो गया कि एक युवक आपरेटर अनिल कुशवाहा की लाश तीन महीने तक पानी मे गोता लगाती रही और गोताखोर भी नही ढूंढ़ पाए, पानी फेंकते-फेंकते मृत अनिल कुशवाहा की लाश बामशक्त बाहर आई और एक बार कम्पनी की साख पर फिर बात आ गई। जिले के युवाओं का भरोसा तोड़ते हुए कंपनी ने लगातार क्षेत्रीय बेरोजगारों को रोजगार से वंचित रखा है। स्थानीय युवा और समाजिक संगठन इसे अनुचित, अन्यायपूर्ण और क्षेत्र के साथ विश्वासघात करार दे रहे हैं। स्थानीय युवाओं का आरोप है कि कंपनी बाहरी कर्मचारियों को प्राथमिकता दे रही है, जबकि कुशल और योग्य स्थानीय प्रतिभा लगातार अनदेखी की जा रही है। यह सिर्फ बेरोज़गारी नहीं, यह क्षेत्रीय विकास के साथ धोखा है, युवा नेताओं ने कहा। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि कंपनी ने तुरंत स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सुनिश्चित नहीं किया, तो ज्ञापन, धरना और प्रदर्शन जैसी सख्त कार्रवाई की जाएगी। करणी सेना ने मांग की है कि सोहागपुर क्षेत्र अमलाई ओसीएम में कोयला उत्पादन एवं ओ.बी. खनन का कार्य मेसर्स कंपनी को दिया गया है।

महापौर ने कुआं एवं घरों के पानी की गुणवत्ता की कराई जांच

सागर। नगर निगम द्वारा नागरिकों की मूलभूत समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संचालित आपकी महापौर आपके द्वार एवं जनचौपाल के अंतर्गत 9 वां शिविर सूबेदार वार्ड स्थित गोलाकुआं के पास आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में वार्डवासियों ने सहभागिता कर अपनी समस्याएं दर्ज कराईं, जिनका निराकरण मौके पर ही कराने की कार्रवाई की गई। शिविर में महापौर संगीता सुशील तिवारी ने कहा कि आपकी महापौर आपके द्वार एवं जनचौपाल का उद्देश्य यही है कि नागरिकों को अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए नगर निगम कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जो पात्र नागरिक अभी तक वंचित रह गए हैं, उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने वार्डवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे राजघाट से प्रदाय किए जा रहे स्वच्छ पेयजल का ही उपयोग करें तथा जब तक कुएं एवं हैंडपंप के पानी की गुणवत्ता की जांच पूर्ण न हो जाए, तब तक उसका उपयोग न करें। महापौर ने नागरिकों से अपने वार्ड को स्वच्छ रखने, घरों के आसपास नियमित साफ-सफाई करने तथा स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत नगर निगम के साथ सहयोग करें। महापौर प्रतिनिधि डॉ. सुशील तिवारी ने कहा कि यह 9 वां शिविर है, जिसमें नागरिकों की समस्याओं का तत्काल समाधान किया जा रहा है। शिविरों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं और लोगों को अब छोटी-छोटी समस्याओं के लिए अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना पड़ रहा है। एमआईसी सदस्य शैलेन्द्र ठाकुर ने कहा कि महापौर की मंशानुरूप जनसेवा के लिए आयोजित किए जा रहे आपकी महापौर आपके द्वार एवं जनचौपाल शिविर का आयोजन अद्भुत एवं विलक्षण है जिसमें महापौर स्वयं उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करवा रही हैं।

बस को ट्रक ने मारी टक्कर, ड्राइवर-क्लीनर सहित आधा दर्जन छात्र घायल

मुरैना। माता बसैया थानाा क्षेत्र में अजनौधा गांव के पास श्रीराम कॉलेज की बस को ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे बस चालक, क्लीनर सहित आधा दर्जन घायल हुए हैं। उनमें से गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, अन्य को मामूली चोट आई है। जानकारी के अनुसार श्रीराम कॉलेज की बस छात्रों को छोडने माता बसैया क्षेत्र में गई थी। दोपहर में अजनौधा गांव के पास चालक ने ट्रक को तेजी व लापरवाही से चलाकर बस में टक्कर मार दी। दुर्घटना में आधा दर्जन लोग घायल हुए। सूचना मिलते ही एंबुलेंस गाड़ी मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल छात्र विजय (19) पुत्र ऋषिकेश शर्मा निवासी खडिय़ाहार एवं बस स्टाफ के अभिषेक (24) पुत्र राजेश माहोर निवासी बड़ागांव, ओमप्रकाश (50) पुत्र रूप किशोर निवासी अंबाह को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, अन्य को मामूली चोट आई, इसलिए वह मौके से ही अपने अपने घर चले गए। एक्सीडेंट के बाद मौके पर ग्रामीण भी सहयोग के लिए आगे आए। माता बसैया थाना पुलिस ने फरियादी राजवीर पुत्र रामप्रकाश तोमर निवासी दिमनी की रिपोर्ट पर ट्रक क्रमांक आर जे 11 जी 1954 के चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी चालक ने ट्रक को तेजी व लापरवाही से चलाकर बस में टक्कर मारी थी।

खाद्य विभाग और पुलिस की कार्रवाई: गैस भरने की नौजल व अन्य सामग्री जब्त

अवैध गैस रिफिलिंग के अड्डे से 20 गैस सिलेंडर किए जब्त, मकान सील

धार। दोपहर मेट्रो

शहर की चाणक्यपुरी कॉलोनी में अवैध गैस रिफिलिंग पर कार्रवाई करते हुए नौगांव पुलिस टीम और खाद्य विभाग ने एक मकान में दबिश देकर कमर्शियल गैस के साथ घरेलू गैस की टंकियों को जप्त किया है। पुलिस ने मौके से गैस भरने की नौजल और अन्य सामग्री को जप्त कर मकान को सील कर दिया। रहवासी इलाके में घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग और भंडारण किया जा रहा है।

सीएसपी सुजावल जग्गा के निर्देश पर नौगांव थाना प्रभारी हिरुसिंह रावत और फूड इंस्पेक्टर राहुल मंडलोई ने चाणक्यपुरी कॉलोनी में कमल कोहली निवासी मांगोद के मकान में दबिश देकर 12 कमर्शियल गैस टंकी के साथ 8 घरेलू टंकी और गैस भरने की नौजल के साथ टंकी से टंकी भरने के पाइप सहित अन्य सामग्री जप्त की है। चाणक्युपरी कॉलोनी के रहवासी इलाके में इन टंकियों का अवैध भंडारण किया जा रहा था। गोपनीय शिकयत पर सीएसपी के निर्देश पर नौगांव थान प्रभारी ने कार्रवाई की है। सिलेंडर और रिफिलिंग उपकरण मिलने से क्षेत्र में किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका थी। रिफिलिंग के दौरान जरा सी लापरवाही एक भीषण अग्निकांड का रूप ले सकती थी, जिससे आसपास के दर्जनों घरों को नुकसान पहुंच सकता था।

> पुलिस की सूचना पर खाद्य विभाग की टीम चाणक्युपुरी स्थित कमल कोहली के मकान में पहुंची थी, जहां पर टंकियों सहित रिफलगि करने के उपकरणों को जप्त किया गया है, विभाग ने पंचनामा तैयार कर प्रकरण को एडीएम न्यायालय मे प्रस्तुत किया है, जहां से आगामी निर्देश मिलते ही प्रकरण दर्ज कराया जाएगा
> **-राहुल मंडलोई,** फूड इंस्पेक्टर,खाद्य विभाग
>
> सूचना पर दबिश दी गई थी, अवैध गैस रिफिलिंग का मामला होने के कारण आगामी कार्रवाई खाद्य विभाग के माध्यम से की जाएगी
> **- हिरुसिंह रावत,** नौगांव थाना प्रभारी

लोकायुक्त टीम की कार्रवाई

पीएचई के ईई को ड्राइवर के माध्यम से डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा

सागर। दोपहर मेट्रो

जल-जीवन मिशन के निर्माण कार्य के बकाया कामों और पुराने बिलों के भुगतान करने के एवज में घूस मांगने वाले पीएचई के कार्यपालन यंत्री और उनके ड्राईवर को डेढ़ लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा है. ट्रेप की यह कार्यवाई लोकायुक्त पुलिस सागर ने बुधवार को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यालय में की। ईई ने 6 लाख रुपए की रिश्वत जलजीवन मिशनके निर्माण कार्य के बकाया कामों के पुराने बिलों के भुगतान करने के एवज ने मांगी थी। महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्यवाही किए जाने के निर्देश पर उप पुलिस महानिरीक्षक मनोज सिंह के मार्गदर्शन में लोकायुक्त संभाग सागर एसपी योगेश्वर शर्मा द्वारा ट्रैप कार्यवाही की गई। लोकायुक्त पुलिस एसपी योगेश्वर शर्मा के अनुसार ठेकेदार शैलेष कुमार पिता भगवान सिंह मौआर, शासकीय ठेकेदार पीएचई विभाग सागर मूल निवासी ग्राम सवना पोस्ट खुटहा थाना इमादपुर जिला भोजपुर (बिहार) वर्तमान निवास राजघाट रोड सागर ने कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के मुताबिक आवेदक द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में जल जीवन मिशन के अंतर्गत सागर जिले में ठेकेदारी का कार्य वर्ष 2022 से किया जा रहा था । इस मिशन अंतर्गत जो कार्य अधूरे रह गए थे उन्हें शासन द्वारा पुनरीक्षित किया गया था । उक्त अधूरे कार्य को पूर्ण किए जाने के लिए कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सागर द्वारा ठेकेदारों से सहमति मांगी गई थी । आवेदक द्वारा सहमति दिए जाने के उपरांत उसके द्वारा बिल आफ क्वांटिटी (बुक) की राशि 2 करोड़ 16 लाख 52000 के पांच प्रतिशत की राशि एफडीआर के माध्यम से शासन को जमा कर दिया गया।

15 सदस्यीय रोवर-रेंजर जम्बूरी दल बालोद रवाना

सागर। दोपहर मेट्रो

भारत स्काउट एवं गाइड, मध्यप्रदेश के अंतर्गत सागर जिले से राष्ट्रीय जम्बूरी में सहभागिता करने के लिए 15 सदस्यीय रोवर-रेंजर दल संभागीय स्काउट गाइड अधिकारी कंचन सिंह के नेतृत्व में बालोद (छत्तीसगढ़) के लिए रवाना हुआ। सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जैसीनगर के प्राचार्य जीवन लाल सिलावट एवं स्टाफ द्वारा हरी झंडी दिखाकर दल को छत्तीसगढ़ के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य सिलावट ने कहा कि स्काउट-गाइड आंदोलन युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। राष्ट्रीय जम्बूरी जैसे आयोजन रोवर-रेंजरों में नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना, अनुशासन एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करते हैं। स्काउट-गाइड केवल एक संगठन नहीं, बल्कि जीवन को संस्कारित करने की पाठशाला है। ऐसे राष्ट्रीय आयोजनों से युवाओं को विभिन्न संस्कृतियों, विचारों एवं कार्यशैली को समझने का अवसर मिलता है। दल संरचना के अनुसार 15 सदस्यीय रोवर-रेंजर दल में 6 रेंजर, 8 रोवर एवं 01यूनिट लीडर सम्मिलित हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय जम्बूरी वालोद छत्तीसगढ़ में देशभर से लगभग 15,000 रोवर-रेंजर सहभागिता करेंगे , वहीं विदेशों से भी स्काउट पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि इस आयोजन में शामिल होकर अनुभव साझा करेंगे।

अधिकारियों ने प्रिंसिपल के साथ निरीक्षण कर हैंडओवर की कार्रवाई की

निर्माण एजेंसी पर पेनल्टी लगाएं: कमिश्नर

सागर। दोपहर मेट्रो

कार्य में प्रगति न देने वाली निर्माण एजेंसी पर अधिकतम पेनाल्टी लगाएं, जेडी, डीईओ बीडीसी एवं पीआईयू के अधिकारी संयुक्त रूप से प्रिंसिपल के साथ निरीक्षण कर हैंड ओवर की कार्रवाई करें। साथ ही पूर्ण हो चुके भवन को 26 जनवरी से शुरू करें। उक्त निर्देश संभाग कमिश्नर अनिल सुचारी ने संभाग के निर्माणाधीन संदीपनी विद्यालयो की समीक्षा बैठक में दिए। इस अवसर पर जॉइंट कमिश्नर राजेश शुक्ला, जेडी एस पी एस विशेन, एम कुमार, बीडीसी पीआईयू के अधिकारी मौजूद थे।

संभाग कमिश्नर सुचारी ने निर्देश दिए कि सांदीपनि विद्यालय का भवन आधुनिक एवं सर्व सुविधायुक्त बनाएं। विद्यार्थियों के सुझाव भी आमंत्रित करें और अवलोकन भी कराएं। उन्होंने कहा कि विद्यालय का भवन एवं शौचालय

दिव्यांग फ्रेंडली होना चाहिए। विद्यालय की छत पर रेलिंग्स बनवाएं ताकि किसी भी दुर्घटना से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि विद्यालय में बालक एवं बालिकाओं के अलग-अलग शौचालय बनाए जाएं। दोनों शौचायलयों के बीच पर्याप्त स्थान रखा जाए, आवश्यकता हो तो बीच में बड़ा हॉल या एक कक्ष बनाएं। उन्होंने कहा कि विद्यालय के क्लासरूम में प्रकाश, पीने के पानी, साफ-सफाई, सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की जावे। उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यालय के भवन को जल्द से जल्द फाइनल करके हैंडओवर करना सुनिश्चित करें। बैठक में बताया गया कि सागर संभाग में 37 सांदीपनि विद्यालय निर्माणाधीन हैं जिनमें सागर में 11, दमोह-छतरपुर में 6-6, पन्ना में 8, टीकमगढ़ में 4 एवं निवाड़ी में 2 विद्यालय बन रहे हैं। संभागायुक्त सुचारी ने दमोह, छतरपुर के सांदीपनि विद्यालय में प्रगति न आने पर अप्रसन्नता व्यक्त की एवं निर्देश दिए कि संबंधित निर्माण एजेंसी पर पेनाल्टी लगाएं एवं समय सीमा में निर्माण पूर्ण कराएं। उन्होंने गढ़ाकोटा एवं बीना सांदीपनि विद्यालय के निर्माण कार्य में हो रही देरी के संबंध में आवश्य निर्देश देते हुए कहा कि नए सत्र अप्रैल के पूर्व भवन का कार्य पूर्ण किया जाए।

मेट्रो एंकर | प्रदेश में 55 बाघों की मौत, चीतों की सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता

अफ्रीकन चीतों के तीसरे घर पर मंडराई काली छाया, पड़ोस में काल के गाल में समाए बाघ

विशाल रजक। दमोह

प्रदेश के सबसे बड़े वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में अफ्रीकन चीतों के लाने की तैयारी चल रही है। मध्यप्रदेश सरकार पहले ही नौरादेही को अफ्रीकन चीतों का तीसरा घर घोषित कर चुकी है, लेकिन यहां चीतों की सुरक्षा को लेकर अब गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वीरांगना रानी दुर्गावती (नौरादेही) टाइगर रिजर्व के दक्षिण वन मंडल में एक बाघ की पिछले दिनों मौत के बाद से ये सवाल खड़े हुए हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला था कि बाघ की मौत करंट लगने के कारण हुई है। माना जा रहा है कि बाघ का शिकार किया गया था, इन हालातों के बीच नौरादेही में अफ्रीकी चीते कितने सुरक्षित होंगे ये सवाल खड़ा हो गया है। नौरादेही तीन जिलों में फैला हुआ है और मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है, ऐसे में यहां चीतों के पहुंचने के बाद उनकी

सुरक्षा की चिंता लाजमी है। वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट बाघ की मौत के बाद मध्य प्रदेश में सक्रिय शिकारी गिरोहों को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ वन विभाग का कहना है कि सुरक्षा को लेकर गश्ती और मुखबिर तंत्र पर काम हो रहा है। इसके साथ ही ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी के उपयोग की भी बात कही जा रही है। वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट अजय दुबे कहते हैं प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व की बात करें, तो नौरादेही टाइगर रिजर्व पन्ना टाइगर रिजर्व के कारीडोर का ही हिस्सा है। पन्ना में 2008 में पूरे बाघों का सफाया हो गया था। इस इलाके में पारदी समूह काफी एक्टिव है। बाघों के शिकार के मामले में पारदियों का बड़ा अपराधिक रिकार्ड है। मेरा मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय तस्करों की गतिविधियां जो हैं, उसमें भारत के लिए खतरे थोड़े कम हुए हैं क्योकिं चाइना टाइगर फार्मिंग कर रहा है। लेकिन शिकारियों के पारदी समूह, बहेलिया और मोंगिया वन अपराध की गतिविधियों में काफी सक्रिय हैं अभी महाराष्ट्र में बाघों के शिकारी पकड़े गए थे, जो मध्यप्रदेश का पारदी समूह था। इसके अलावा राजस्थान और मध्यप्रदेश में मोगिंया शिकारियों का समूह सक्रिय है। खासकर यहां पर पारदी समूह की निगरानी करनी होगी। पुराने शिकारियों की जानकारी लेनी होगी कि वो कहां सक्रिय हैं। यहां सबसे संवेदनशील स्थिति ये है कि पन्ना टाइगर रिजर्व तक के बाघों का मूवमेंट यहां तक होता है।

पीएम रिपोर्ट में करंट से मौत का खुलासा

28 दिसंबर 2025 को रविवार के दिन सागर के दक्षिण वन मंडल से लगी राजस्व भूमि पर एक बाघ की मौत की सूचना मिली थी। टाइगर स्टेट मध्यप्रदेश में साल भर में ये 55वें बाघ की मौत थी। घटनास्थल की जांच पड़ताल और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला था कि बाघ की मौत करंट लगने से हुई है। परिस्थितियों के आधार पर शंका व्यक्त की जा रही है कि बाघ का शिकार किया गया होगा।

आने वाले चीते कितने सुरक्षित

बाघ की मौत के बाद नौरादेही टाइगर रिजर्व में बाघ और दूसरे वन्य प्राणियों के अलावा आने वाले मेहमान चीतों की सुरक्षा को लेकर लोग चिंता करने लगे हैं। माना जाता है कि पन्ना टाइगर रिजर्व के चलते इस इलाके में पहले से ही शिकारी गिरोह सक्रिय हैं और शिकार को अंजाम देते रहते हैं। इन शिकारी समूह में पारदी और मोगियां शिकारी समूहों के नाम प्रमुख हैं। खास बात ये है कि ये शिकारी समूह सिर्फ मध्य प्रदेश नहीं बल्कि पड़ोसी प्रदेश राजस्थान और महाराष्ट्र में भी सक्रिय हैं। ऐसे में वन्यप्राणी प्रेमी और जानकार मध्य प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व के वन्य प्राणियों की सुरक्षा को लेकर चिंता करने लगे हैं। खासकर जुलाई 2026 में नौरादेही में पहुंच रहे अफ्रीकन चीतों की सुरक्षा कैसी होगी और इनका कोई खतरा तो नहीं होगा, इस पर चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है।

महिला प्रीमियर लीग के चौथे संस्करण का आगाज कल से

ओपनिंग सेरेमनी में चार चांद लगाएंगे हनी सिंह, जैकलीन भी बिखेरेंगी जलवा

मुंबई, एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग के चौथे संस्करण की शुरुआत शुक्रवार से होने जा रही है। हमेशा की तरह इस बार भी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने डब्ल्यूपीएल की ग्रैंड ओपनिंग सेरेमनी का इंतजाम किया है। इस बार मशहूर रैपर यो यो हनी सिंह अपनी आवाज का जादू बिखेरेंगे। वहीं, बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज अपनी डांस परफॉर्मेंस से चार चांद लगाएंगी।

टूर्नामेंट दो चरणों में बंटा होगा- महिला प्रीमियर लीग का पहला चरण नौ जनवरी से 17 जनवरी तक नवी मुंबई में खेला जाएगा। वहीं दूसरा चरण 19 जनवरी से पांच फरवरी तक वडोदरा (बारोडा) में आयोजित होगा। फाइनल मुकाबला भी वडोदरा में खेला जाएगा। लीग स्टेज में कुल 20 मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद तीन फरवरी को एलिमिनेटर और दो दिन बाद यानी पांच फरवरी को फाइनल खेला जाएगा। शेड्यूल में सिर्फ दो डबल हेडर मुकाबले हैं।

पिछले सीजन्स के विजेता- मुंबई इंडियंस ने 2023 में खिताब जीता था, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 2024 में चैंपियनशिप जीती थी। अब देखना दिलचस्प होगा कि 2026 में कौन सी टीम ट्रॉफी पर कब्जा जमाती है। अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को एलिमिनेटर खेलना होगा।

मैच	तारीख	होम टीम	अवे टीम	वेन्यू
1	9 जनवरी 2026	मुंबई इंडियंस	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	नवी मुंबई
2	10 जनवरी 2026	यूपी वॉरियर्स	गुजरात जाएंट्स	नवी मुंबई
3	11 जनवरी 2026	मुंबई इंडियंस	दिल्ली कैपिटल्स	नवी मुंबई
4	12 जनवरी 2026	दिल्ली कैपिटल्स	गुजरात जाएंट्स	नवी मुंबई
5	13 जनवरी 2026	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	यूपी वॉरियर्स	नवी मुंबई
6	14 जनवरी 2026	मुंबई इंडियंस	गुजरात जाएंट्स	नवी मुंबई
7	15 जनवरी 2026	यूपी वॉरियर्स	दिल्ली कैपिटल्स	नवी मुंबई
8	16 जनवरी 2026	मुंबई इंडियंस	यूपी वॉरियर्स	नवी मुंबई
9	17 जनवरी 2026	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	गुजरात जाएंट्स	नवी मुंबई
10	17 जनवरी 2026	यूपी वॉरियर्स	मुंबई इंडियंस	नवी मुंबई
11	18 जनवरी 2026	दिल्ली कैपिटल्स	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	नवी मुंबई
12	19 जनवरी 2026	गुजरात जाएंट्स	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	वडोदरा
13	20 जनवरी 2026	दिल्ली कैपिटल्स	मुंबई इंडियंस	वडोदरा
14	22 जनवरी 2026	गुजरात जाएंट्स	यूपी वॉरियर्स	वडोदरा
15	24 जनवरी 2026	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	दिल्ली कैपिटल्स	वडोदरा
16	26 जनवरी 2026	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	मुंबई इंडियंस	वडोदरा
18	29 जनवरी 2026	यूपी वॉरियर्स	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	वडोदरा
19	30 जनवरी 2026	गुजरात जाएंट्स	मुंबई इंडियंस	वडोदरा
20	1 फरवरी 2026	दिल्ली कैपिटल्स	यूपी वॉरियर्स	वडोदरा
21	3 फरवरी 2026	एलीमिनेटर	-	वडोदरा
22	5 फरवरी 2026	फाइनल	-	वडोदरा

भारत में मैच खेलने पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड कर रहा विचार

मुस्तफिजुर रहमान को केकेआर टीम से रिलीज किए जाने के बाद बढ़ा विवाद

आईसीसी से मुंह की खाने के बाद बीसीबी की अक्ल ठिकाने आई!

नई दिल्ली, एजेंसी

टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच चल रहे विवाद के बीच अब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का आधिकारिक बयान सामने आया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का कहना है कि उनकी चिंताओं पर अब आईसीसी ने सकारात्मक रुख अपनाया है। बीसीबी ने कहा कि आईसीसी ने भारत में खेलने को लेकर उठाए गए सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर उसके साथ करीबी तौर पर काम करने की इच्छा जताई है। बीसीबी के इस बयान ने विवाद को नया मोड़ दे दिया है। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि आईसीसी ने भारत में मैच न खेलने की बीसीबी की मांग को ठुकरा दिया था।

भारत और बांग्लादेश के बीच क्रिकेट संबंधों में हालिया तनाव उस वक्त बढ़ा, जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के निर्देश पर आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज कर दिया, जिन्हें नीलामी में 9.2 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। इसी फैसले के बाद भारत-बांग्लादेश क्रिकेट संबंधों में तनाव बढ़ा और मामला आईसीसी तक पहुंचा। इस फैसले के बाद बीसीबी ने कड़ी नाराजगी जताई और आईसीसी को लिखित रूप से मांग भेजी कि टी20 वर्ल्ड कप में भारत में होने वाले उसके चारों मुकाबलों को सह-मेजबान श्रीलंका में शिफ्ट किया जाए।

बीसीबी का बयान: आईसीसी ने भरोसा दिलाया

बीसीबी की ओर से जारी बयान में कहा गया, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को आईसीसी से उस पत्र का जवाब मिला है, जिसमें भारत में टी20 वर्ल्ड कप के दौरान बांग्लादेश राष्ट्रीय टीम की सुरक्षा को लेकर चिंताएं और मैचों के स्थानांतरण का अनुरोध किया गया था। बोर्ड ने आगे कहा, आईसीसी ने टूर्नामेंट में बांग्लादेश टीम की पूर्ण और निर्बाध भागीदारी सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। बीसीबी के मुताबिक, आईसीसी ने यह भी आश्वासन दिया है कि सुरक्षा योजना तैयार करते समय बांग्लादेश बोर्ड के सुझावों और इनपुट्स को गंभीरता से लिया जाएगा। बयान में कहा गया, आईसीसी ने बीसीबी के साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई है और भरोसा दिलाया है कि बोर्ड की चिंताओं को सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत योजना में शामिल किया जाएगा। हालांकि, बीसीबी के इन बयानों से यह भी पता चलता है कि आईसीसी ने उन्हें इस बात का आश्वासन नहीं दिया है कि उनके मैच को कहीं बाहर शिफ्ट किया जाएगा।

टी20 वर्ल्ड कप शेड्यूल और बांग्लादेश के मुकाबले

20 टीमों का टी20 वर्ल्ड कप 2026 भारत और श्रीलंका में सात फरवरी से आठ मार्च तक खेला जाना है। बांग्लादेश को ग्रुप सी में रखा गया है। उसके पहले तीन मुकाबले कोलकाता में वेस्टइंडीज (सात फरवरी), इटली (नौ फरवरी) और इंग्लैंड (14 फरवरी) के खिलाफ तय हैं। ग्रुप चरण का आखिरी मैच 17 फरवरी को मुंबई में नेपाल के विरुद्ध खेला जाएगा। टूर्नामेंट में अब करीब एक महीना बाकी है। ऐसे में आईसीसी और बीसीबी के बीच जारी संवाद यह तय करेगा कि यह विवाद यहीं थमता है या आगे क्रिकेट कूटनीति को और प्रभावित करता है।

आईसीसी की ओर से सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं

हालांकि इस पूरे मामले पर आईसीसी की ओर से अभी तक कोई सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन बीसीबी के इस बयान को दोनों बोर्डों के बीच तनाव कम होने की दिशा में अहम संकेत माना जा रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है जब ईएसपीएन-क्रिकइनफो समेत कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि आईसीसी ने बांग्लादेश को भारत में खेलने या अंक गंवाने का विकल्प दिया है। हालांकि, बीसीबी ने इन खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि आईसीसी की ओर से किसी तरह का अल्टीमेटम नहीं दिया गया। बोर्ड का कहना है कि सुरक्षा और लॉजिस्टिक्स से जुड़े मुद्दों पर चर्चा जरूर हुई, लेकिन कोई कठोर चेतावनी नहीं दी गई।

मार्च में ले सकते हैं सात फेरे

जल्द शादी के बंधन में बंध सकते हैं अर्जुन और सानिया

नई दिल्ली, एजेंसी

महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबकि, अर्जुन मंगेतर सानिया चंदोक से मार्च में शादी रचा सकते हैं। बता दें कि, दोनों की पिछले साल अगस्त में सगाई हुई थी। सानिया मुंबई के प्रसिद्ध व्यवसायी रवि घई की पोती हैं। घई परिवार हॉस्पिटेलिटी और खाद्य क्षेत्र में सुप्रसिद्ध है, जिसके पास इंटरकॉन्टिनेंटल होटल और आइसक्रीम ब्रांड ब्रुकलिन क्रीमरी का स्वामित्व है। अर्जुन और सानिया की सगाई एक निजी कार्यक्रम में हुई थी, जिसकी जानकारी शुरुआत में मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए सामने आई थी। बाद में सचिन ने आस्क मी एनिथिंग सेशन के दौरान एक प्रशंसक के सवाल का जवाब देते हुए पुष्टि की थी कि अर्जुन और सानिया की सगाई हो चुकी है। इस दौरान दोनों परिवारों के करीबी दोस्त और सदस्य शामिल हुए थे।

कौन हैं सानिया चंदोक?

सानिया चंदोक कोई आम नाम नहीं हैं। वे मशहूर उद्योगपति रवि घई की पोती हैं। रवि घई भारत के होटल और खाद्य उद्योग के बड़े नामों में शुमार किए जाते हैं। उनका कारोबार इंटरकॉन्टिनेंटल होटल से लेकर ब्रुकलिन क्रीमरी तक फैला हुआ है। व्यावसायिक पृष्ठभूमि के साथ-साथ सानिया खुद भी एक सफल उद्यमी हैं। वे मुंबई स्थित 'मिस्टर पॉज पेट स्पा एंड स्टोर एलएलपी की संस्थापक और निदेशक हैं। यह ब्रांड पालतू जानवरों की देखभाल और उनके लिए उच्च-स्तरीय उत्पादों के लिए जाना जाता है। शिक्षा के मामले में भी सानिया का सफर काफी प्रभावशाली रहा है। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (रूश्च) से अपनी पढ़ाई पूरी की है। इसके अलावा हाल ही में उन्होंने वर्ल्डवाइड वेटरनरी सर्विस से वेटरनरी टेक्नीशियन का डिप्लोमा भी हासिल किया है। यह उनकी पशु-प्रेम और पशु कल्याण में रुचि को दर्शाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सानिया का संबंध तेंदुलकर परिवार से केवल अर्जुन के माध्यम से ही नहीं, बल्कि उनकी बहन सारा तेंदुलकर से भी है। दोनों एक-दूसरे की अच्छी दोस्त बताई जाती हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

कोरियोग्राफर विजय गांगुली ने किया खुलासा

आखिरी फिल्म में धर्मेंद्र का डांस सीन, उठने में थी तकलीफ, मगर रात 3 बजे किया शूट

बॉलीवुड की ही-मैन धर्मेंद्र तो अब इस दुनिया में नहीं रहे। मगर अपने किरदारों और फिल्मों के जरिए वो फैंस के दिल में हमेशा जिंदा रहेंगे। धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म इक्कीस 1 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जिसने हर किसी को इमोशनल कर दिया। अब फिल्म के कोरियोग्राफर विजय गांगुली ने धर्मेंद्र को लेकर कुछ खास बातें साझा की हैं।

विजय गांगुली ने बताया कि आखिरी फिल्म इक्कीस की शूटिंग के दौरान उम्र की वजह से कमजोरी होने के बावजूद भी धर्मेंद्र अपने डांस स्टेप्स खुद से परफॉर्म करते थे। बातचीत में कोरियोग्राफर विजय गांगुली ने कव्वाली सीक्वेंस की शूटिंग को याद करते हुए कहा- रात के करीब 2।30-

3 बजे थे। हमने उनसे (धर्मेंद्र) कहा था कि उन्हें बस थोड़ा सा डांस करना है और वो जो भी अपने हिसाब से करना चाहें कर सकते हैं।

लेकिन उन्होंने पूछा कि बाकी सब क्या कर रहे हैं? हमने उन्हें दिखाया कि बाकी दूसरे लड़के एक दूसरे के कंधे पर हाथ रखकर एक पैर से डांस स्टेप कर रहे हैं। तो इसपर उन्होंने पूछा था- मैं यह क्यों नहीं कर सकता? उन्होंने फिर वो स्टेप करने की जिद की। वो बैठे हुए थे, क्योंकि उनके लिए बार-बार उठना थोड़ा मुश्किल था।।वो उठे और उन्होंने फिर स्टेप्स किए। आख़िर में हमने उनसे कहा कि वो अब और न करें, क्योंकि अगर हम कई बार रिटेक लेते तो वो फिजिकली काफी थक जाते।

सच्चाई से निभाया रोल

कोरियोग्राफर ने आगे कहा- सच कहूं तो उस समय डांस करना उनके किरदार के लिए ज्यादा जरूरी भी नहीं था, लेकिन पर्सनली उन्हें लगता था कि उन्हें अपना 100ब देना है। वो यह भी महसूस कर रहे थे कि किसी को यह नहीं लगना चाहिए कि वो यह नहीं कर सकते, इसलिए उन्होंने यह करके दिखाया। हम सबने उनकी तारीफ में कहा था वाह...शानदार। धर्मेंद्र की यही खासियत थी कि वो अपने हर एक किरदार को पूरी सच्चाई से निभाते थे। 89 की उम्र में निधन होने से कुछ वक्त पहले तक वो काम में एक्टिव रहे। दमदार एक्टिंग हो या फिर फिटनेस, उन्होंने हर तरह से फैंस को इंस्पायर किया है। यही वजह है कि उनके निधन से उनके लाखों-करोड़ों फैंस का दिल टूट गया है।

चित्रांगदा सिंह ने साझा किया द बैटल ऑफ गलवान का खास अनुभव

सेना की दुनिया को अच्छी तरह समझती हूं,

फिल्मों की दुनिया में कई बार कुछ मौके अचानक ही मिल जाते हैं, जिनकी उम्मीद नहीं होती। ऐसे ही एक खास मौके ने अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह को नया अनुभव दिया। इन दिनों चित्रांगदा सलमान खान की द बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वह सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। चित्रांगदा ने अपने अनुभव के बारे में कहा, जब निर्देशक अपूर्व लाखिया ने मुझे इस फिल्म के लिए कॉल किया, तो मेरा पहला रिएक्शन यही था, सच में? मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी कि मुझे सलमान खान के साथ काम करने का मौका मिलेगा। मैंने न तो कभी सलमान से काम के लिए बात की और न ही कभी इसकी कोशिश की। यह मौका मेरे लिए पूरी तरह से आश्चर्यजनक और रोमांचक रहा।

फिल्म द बैटल ऑफ गलवान की कहानी 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प पर आधारित है। 15 जून को नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों को जानमाल का नुकसान हुआ। सीमा के पास फायरआर्म्स का इस्तेमाल न करने के समझौते के कारण, सैनिकों ने लाठियों और पत्थरों का इस्तेमाल करते हुए लड़ाई लड़ी थी।

मेट्रो बाजार

कृषि अपशिष्ट को बनाया जा सकता है देश का उपयोगी संसाधन : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि खेतों में बचने वाले कृषि अपशिष्ट को देश का एक उपयोगी राष्ट्रीय संसाधन बनाया जा सकता है। उन्होंने यह बात बुधवार को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद के टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सेरेमनी में कही। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि बायो-बिटुमेन बनाना %विकसित भारत 2047% के सपने को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। खेती से निकलने वाले कचरे का उपयोग करने से खेतों में पराली जलाने से होने वाला प्रदूषण कम होगा और पुनः उपयोग वाली अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि यदि सड़कों में 15 प्रतिशत बायो-बिटुमेन मिलाया जाए, तो भारत को करीब 4,500 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा की बचत हो सकती है। इससे देश की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता भी कम होगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज भारत ने सड़क निर्माण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है। देश दुनिया का पहला देश बन गया है जिसने बायो-बिटुमेन का व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों को बधाई दी और सहयोग के लिए राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह का धन्यवाद किया। गडकरी ने कहा कि यह नई तकनीक किसानों को सशक्त बनाएगी, गांवों में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी। उन्होंने बताया कि चावल की पराली से बने जैव बिटुमेन का सफल परीक्षण किया गया है, जो पेट्रोल से बने बिटुमेन से बेहतर साबित हुआ है।

86% भारतीयों के लिए ज्वेलरी सबसे अहम संपत्ति, नई पीढ़ी तेजी से अपना रही नया ट्रेंड

नई दिल्ली । भारत में लगभग 86 प्रतिशत लोग सोने और आभूषणों (ज्वेलरी) को संपत्ति बनाने का एक अच्छा साधन मानते हैं। यह संख्या लगभग म्यूचुअल फंड और शेयरों जैसे बाजार से जुड़े निवेश विकल्पों के बराबर है, जिन्हें 87 प्रतिशत लोग पसंद करते हैं। इससे साफ है कि गहनों की अहमियत आज भी बहुत ज्यादा है। बुधवार को जारी डेलॉइट इंडिया की रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

डेलॉइट इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का ज्वेलरी मार्केट तेजी से बदल रहा है। अब लोग आभूषणों को सिर्फ शादी या परंपरा से नहीं जोड़ते, बल्कि अपनी पहचान, जीवनशैली और रोजमर्रा के पहनावे का हिस्सा भी मानते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 56 प्रतिशत लोग ज्वेलरी को, निवेश और फैशन, दोनों के रूप में देखते हैं। वहीं, 28 प्रतिशत लोग केवल निवेश के रूप में गहने खरीदते हैं। इससे पता चलता है कि आभूषणों की भूमिका अब सिर्फ सेविंग्स तक सीमित नहीं रही। रिपोर्ट के अनुसार, पुरुष और 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोग आभूषणों को ज्यादा निवेश के रूप में खरीदते हैं। वहीं, युवा वर्ग गहनों में स्टाइल, अपने हिसाब से डिजाइन और अलग-अलग तरह से पहनने की सुविधा को ज्यादा महत्व देता है। रिपोर्ट के मुताबिक, जेनजी और युवा पीढ़ी तेजी से हल्के और रोज पहनने वाले गहनों की ओर रुख कर रही है। 51 प्रतिशत जेनजी को चांदी और 34 प्रतिशत को प्लेटिनम वाली ज्वेलरी पसंद है। करीब 49 प्रतिशत लोग हल्के और सादे गहनों को भारी और ज्यादा सजावटी गहनों से ज्यादा पसंद करते हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि 45 प्रतिशत जेनजी और युवा सिल्वर की ज्वेलरी में निवेश करना पसंद करते हैं।

महाकाल महोत्सव की तैयारी...

लोक संस्कृति के बिखरेंगे रंग, प्रस्तुति देंगे शंकर महादेवन व सोना महापात्रा

उज्जैन। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में 14 से 18 जनवरी तक पांच दिवसीय महाकाल महोत्सव होगा। इसमें शंकर महादेवन व सोना महापात्रा जैसे प्रसिद्ध कलाकार प्रस्तुति देंगे। भोपाल के भारत भवन में महाभारत का मंचन भी होगा। 2100 साल पहले उज्जयिनी के सम्राट विक्रमादित्य भी शिव महोत्सव का आयोजन किया करते थे। वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने बताया कि 14 जनवरी को शाम सात बजे श्री महाकाल महालोक में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव समारोह का शुभारंभ करेंगे। प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र लोधी, राज्य सभा सदस्य संत बालयोगी उमेशनाथ, सांसद अनिल फिरोजिया, निगम सभापति कलावती यादव मौजूद रहेंगे।

न्यूज विंडो

बांग्लादेश: नहीं थम रही हिंसा, नेता की गोली मारकर हत्या

ढाका। बांग्लादेश में युवा नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद से ही चुनाव पूर्व राजनीतिक हिंसा जारी है। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की स्वयंसेवी शाखा स्वेच्छासेवक दल के नेता अजीजुर रहमान मुसब्बीर की मंगलवार रात हत्या कर दी गई। पुलिस और पार्टी सूत्रों ने बताया कि राजधानी ढाका में अज्ञात हमलावरों ने मुसब्बीर की गोली मारकर हत्या कर दी। बांग्लादेश में आगामी 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनावों से पहले हिंसा बढ़ने के चलते मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर सवाल खड़े हो रहे हैं। गौरतलब है कि उस्मान हादी के परिजनों ने भी यूनुस पर चुनावों को टालने के लिए उनकी हत्या का आरोप लगाया था। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार बीएनपी की स्वयंसेवी शाखा स्वेच्छासेवक दल के महासचिव मुसब्बीर को ढाका के कारवान बाजार स्थित सुपर स्टार होटल के पास रात करीब 8:30 बजे अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। ढाका महानगर पुलिस (तेजगांव जोन) के अतिरिक्त उपायुक्त फजलुल करीम ने बताया कि उन्हें पंथापथ स्थित बीआरबी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

कोहरे की मार: दिल्ली आने वाली 60 से ज्यादा ट्रेनें लेट

नई दिल्ली। कड़ाके की ठंड के बीच यात्री प्लेटफार्म पर ठिठुरते हुए ट्रेन का इंतजार करने को मजबूर हैं। कोहरे के कारण लंबी दूरी की कई ट्रेनें विलंब से दिल्ली के रेलवे स्टेशनों पर पहुंच रही हैं। आज दिल्ली आने वाली 60 से अधिक ट्रेनें दो घंटे से अधिक विलंब से चल रही हैं। सबसे अधिक परेशानी पूर्व दिशा और दक्षिण दिशा के यात्रियों को हो रही है।

कई लोकल ट्रेनें भी लेट: बृहस्पतिवार सुबह कई लोकल ट्रेनें भी देरी से चल रही हैं। बुलंदशहर-तिलक ब्रिज एमईएमयू दो घंटे, बल्लभगढ़-शकूरबस्ती ईएमयू एक घंटे और सहारनपुर-पुरानी दिल्ली पैसेंजर, पानीपत-नई दिल्ली महिला विशेष ईएमयू, मथुरा-गाजियाबाद ईएमयू आधे घंटे के विलंब से चल रही हैं।

पर्यावरणविद् माधव गाडगिल का 83 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली। देश के वरिष्ठ पर्यावरणविद् और पश्चिमी घाट के संरक्षण को लेकर अपनी दूरदर्शी सोच के लिए पहचाने जाने वाले माधव गाडगिल का रात पुणे में निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे और कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। निधन की पुष्टि करते हुए उनके पुत्र सिद्धार्थ गाडगिल ने कहा कि मुझे अत्यंत दुख के साथ यह सूचना साझा करनी पड़ रही है कि मेरे पिता माधव गाडगिल का कल देर रात पुणे में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज किया जाएगा। माधव गाडगिल ने भारत में जमीनी स्तर के पर्यावरण आंदोलन को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। पश्चिमी घाट में बुनियादी ढांचे और बड़े विकास प्रोजेक्ट्स को लेकर उन्होंने वर्षों पहले चेतावनी दी थी कि इससे गंभीर प्राकृतिक आपदाएं पैदा होंगी। उनकी अध्यक्षता में 2011 में तैयार हुई चर्चित गाडगिल रिपोर्ट ने उद्योग और जलवायु संकट के बढ़ते दबावों के बीच पश्चिमी घाट जैसे पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र के संरक्षण की सिफारिश की थी।

महाराष्ट्र में कांग्रेस को लगा बड़ा झटका

बीएमसी चुनाव से पहले 12 पार्षद बीजेपी में हुए शामिल

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र में नगर निगम के चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। बीएमसी चुनाव से पहले कांग्रेस के सभी 12 निलंबित पार्षद भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं। महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने इन पार्षदों को बीजेपी में शामिल कराया।

बीजेपी में इन पार्षदों को शामिल करने के बाद प्रदेश अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की। इस पोस्ट में रवींद्र चव्हाण ने लिखा कि 'भाजपा परिवार की विकासोन्मुखी और जनहितैषी कार्यशैली से प्रेरित होकर, उबाथा समूह के कल्याण ग्रामीण उप-जिला प्रमुख राहुल भगत ने विकास का 'कमल' अपने कंधों पर उठाया। इस अवसर पर भाजपा परिवार में उनका स्वागत किया गया और उन्होंने भाजपा के भविष्य के सफर के लिए शुभकामनाएं दीं।' रवींद्र चव्हाण ने आगे लिखा कि 'इस अवसर पर कल्याण-डोंबिवली नगर निगम की स्थायी समिति के पूर्व अध्यक्ष और निर्विरोध भाजपा उम्मीदवार दीपेश म्हात्रे, जयेश म्हात्रे, हर्षदताई भोईर और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।'

बीएमसी चुनाव से पहले पुलिस ने फर्जी नोटों की सप्लायर को पकड़ा

बीएमसी चुनावों को देखते हुए मुंबई पुलिस अलर्ट मोड में है। इसी कड़ी में पुलिस ने जाली नोटों के एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को करारा झटका दिया है। मुंबई पुलिस ने झारखंड के साहेबगंज जिले में बांग्लादेश सीमा के पास एक गुप्त ऑपरेशन चलाकर इस मामले में एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है।पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि अमरुद्दीन शेख इससे पहले भी बड़ी मात्रा में फर्जी नोट बाजार में खपा चुका है। पुलिस यह जांच कर रही है कि इन नकली नोटों का इस्तेमाल किन इलाकों में और किन माध्यमों से किया गया। इसी मामले में फरार महिला आरोपी जोसना बीबी उर्फ जोसना सेराजुल शेख (49 वर्ष) को राधानगर पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि वह फर्जी नोटों की सप्लायर थी और 60 हजार रुपये के असली नोट के बदले 1 लाख रुपये के फर्जी नोट उपलब्ध कराती थी। महिला पिछले दो वर्षों से इस अवैध नेटवर्क में सक्रिय थी और करीब 12 से 14 लाख रुपये के फर्जी नोट खपाने का अंदेशा है।

450 से ज्यादा सीसीटीवी खंगाले

तुर्कमान गेट में पथराव करने वाले 30 उपद्रवियों की हुई पहचान

नई दिल्ली , एजेंसी

दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास एमसीडी के अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान हुए पथराव मामले में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने पथराव करने वाले 30 उपद्रवियों की पहचान कर ली है और उन्हें हिरासत में लेने के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। इलाके में किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान 450 से अधिक सीसीटीवी फुटेज और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर की गई है। अब पुलिस टीमें अलग-अलग जगहों पर दबिश देकर इन लोगों को पकड़ने की कोशिश कर रही हैं।

सपा सांसद नदवी को दिया समन

इस बीच, मामले में एक राजनीतिक एंगल भी सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि समाजवादी पार्टी के सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी को जांच में शामिल होने के लिए समन भेजा जाएगा। पुलिस के मुताबिक, हिंसा से पहले सांसद मौके पर मौजूद थे और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के बार-बार अनुरोध के बावजूद उन्होंने उस स्थान को नहीं छोड़ा। बता दें कि मस्जिद के पास बुलडोजर की यह कार्रवाई दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों पर एमसीडी और पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान में की गई थी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 7 जनवरी तड़के की गई थी। इससे पहले शांति बनाए रखने के लिए अमन कमेटी और स्थानीय लोगों के साथ कई समन्वय बैठकें भी की गई थीं।

जिंदा जानवरों के साथ किया जा रहा था क्रूर कृत्य

हैदराबाद में जब्त हुआ 1,000 लीटर भेड़-बकरी का खून

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में बेजुबान जानवरों के खून के अवैध व्यापार का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ड्रग कंट्रोल और हैदराबाद सिटी पुलिस ने भारी मात्रा में भेड़ और बकरियों का खून जब्त किया है। इस कार्रवाई के बाद से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है।

सूचना मिली थी कि काचेगुड़ा स्थित 'CNK इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट' नाम के फर्म में अवैध रूप से जानवरों का खून इकट्ठा किया जा रहा था। जब पुलिस ने वहां दबिश दी, तो नजारा देखकर अधिकारी भी दंग रह गए। वहां बड़ी मात्रा में संरक्षित खून के कंटेनर रखे हुए थे, जो बाहर भेजे जाने के लिए तैयार थे। छापेमारी में मौके से लगभग 1,000 लीटर भेड़ और बकरी का खून बरामद हुआ।

ऐसे होता था खेल: आरोप है कि जीवित जानवरों से रक्त एकत्र कर हरियाणा स्थित एक फर्म को भेजा जा रहा था। जांच में यह खुलासा हुआ कि खून किसी वधशाला से नहीं, बल्कि जीवित जानवरों से निकाला जा रहा था। पशु कल्याण कानूनों के तहत यह एक गंभीर अपराध और बेहद क्रूर कृत्य है।

कामाख्या एक्सप्रेस में लूटपाट, चार कोचों के यात्रियों का सामान गायब

पटना, एजेंसी। जोधपुर से कामाख्या जा रही 15623 डाउन कामाख्या एक्सप्रेस में गुरुवार की सुबह चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। ट्रेन के हरदास बीघा स्टेशन के पास सुबह करीब साढ़े चार बजे अज्ञात बदमाशों ने एक साथ चार अलग-अलग कोचों में यात्रा कर रहे यात्रियों को निशाना बनाया। यात्रियों के पर्स और अन्य कीमती सामान चुराने के बाद बदमाशों ने चेन पुलिंग कर ट्रेन रुकवाई और फरार हो गए, जिससे यात्रियों में अफरातफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार यह वारदात ट्रेन के बी-1, बी-6, ए-1 और ए-2 कोच में हुई। इन कोचों में सफर कर रहे कम से कम

चार यात्रियों के पर्स और सामान चोरी होने की पुष्टि हुई है। यात्रियों ने बताया कि घटना के वक्त अधिकांश लोग गहरी नींद में थे, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। जोधपुर से कामाख्या की यात्रा कर रहे कमलेश कुमार ने सबसे पहले इस घटना की सूचना रेल मदद के माध्यम से दी। इसके बाद शिकायत आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) तक पहुंची।पीड़ित यात्री के अनुसार चोरी गए पर्स में नकदी के साथ जरूरी कागजात और निजी सामान भी था। घटना की जानकारी मिलते ही आरपीएफ हरकत में आई और मामले की जांच शुरू कर दी गई।बताया जा रहा है कि ट्रेन पटना के बाद न्यू बरौनी स्टेशन पर रुकती है, लेकिन उससे पहले ही बदमाश वारदात को अंजाम देकर फरार हो चुके थे।यात्रियों ने आरोप लगाया कि ट्रेन में सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं थी और रात के समय निगरानी के अभाव में ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

मेट्रो एंकर

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व आज से शुरू, प्रधानमंत्री ने एक्स पर साझा कीं तस्वीरें

सिद्धांत से समझौता न करने वालों की याद में स्वाभिमान पर्व: मोदी

नई दिल्ली , एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर से जुड़े ऐतिहासिक क्षणों को याद किया। उन्होंने कहा कि 31 अक्तूबर 2001 को सोमनाथ में आयोजित कार्यक्रम में मैंने भाग लिया था, जब 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के उद्घाटन के 50 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया गया था। प्रधानमंत्री ने बताया कि 1951 का वह ऐतिहासिक समारोह तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में संपन्न हुआ था।

मंदीर के पुनर्निर्माण में योगदान देने वालों को किया याद: प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में सरदार पटेल, केएम मुंशी सहित कई महान विभूतियों का योगदान अत्यंत उल्लेखनीय रहा। उन्होंने यह भी याद किया कि 2001 के

कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और गृह मंत्री आडवाणी और अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए थे।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि जय सोमनाथ ! सोमनाथ स्वाभिमान पर्व आज से शुरू हो रहा है। जनवरी 1026 में सोमनाथ पर पहला हमला हुआ था, लेकिन 1026 के हमले और उसके बाद हुए आक्रमण भी करोड़ों लोगों की आस्था और उस सभ्यतागत चेतना को नहीं तोड़ सके, जिसने सोमनाथ को बार-बार खड़ा किया।

मोदी ने भक्तों से तस्वीरें साझा करने की अपील की

मोदी ने कहा कि वर्ष 2026 में 1951 के भव्य समारोह के 75 वर्ष पूर्ण होने का स्मरण भी किया जा रहा है। उन्होंने 'जय सोमनाथ' के उद्घोष के साथ बताया कि आज से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का शुभारंभ हो रहा है। इस अवसर पर उन्होंने सोमनाथ की अपनी पिछली यात्राओं की तस्वीरें साझा करते हुए लोगों से आग्रह किया कि यदि वे भी सोमनाथ गए हैं, तो अपनी तस्वीरें #SomnathSwabhimanParv के साथ साझा करें।

11 तक चलेगा कार्यक्रम

सोमनाथ मंदिर को पहले से कहीं ज्यादा भव्य स्वरूप प्रदान किया। विध्वंस से पुनरुत्थान तक 1,000 वर्षों के इसी सफर पर 8 से 11 जनवरी तक सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत 11 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। वर्ष 2026 इस वजह से भी बेहद खास है कि क्योंकि यह मंदिर के आधुनिक पुनरुद्धार की 75वीं वर्षगांठ है। 1951 में इसकी आधुनिक प्राण प्रतिष्ठा सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयासों का नतीजा थी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564